PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 201 ● भिलाई, रविवार 15 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

बिश्नोई गैंग के खास गुर्गे हैरी बॉक्सर ने दी थी रणवीर सिंह को धमकी

मुंबई । फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर फायरिंग में एक के बाद एक बड़े खुलासे करने के बाद अब मुंबई पुलिस ने रणवीर सिंह को मिली धमकी के मामले में बड़ी जानकारी हासिल की है। मुंबई क्राइम ब्रांच का कहना है कि बिश्नोई गैंग के खास गुर्गों में से एक हैरी बॉक्सर ने वॉयस नोट के जरिए रणवीर सिंह को धमकी भेजकर एक करोड़ रुपए की वसूली मांगी थी। क्राइम ब्रांच घटना की मजबूती से जांच करने के लिए और सबूत भी जुटा रही है। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रणवीर सिंह के केस में मुंबई क्राइम ब्रांच का कहना है कि प्राथमिक जांच में व्हाट्सएप वॉयस नोट में हैरी बॉक्सर की आवाज होने की पुष्टि हुई है, हालांकि इससे जुड़े अन्य साक्ष्यों को क्राइम ब्रांच इकट्ठा करने में जुटी है। पुष्टि के लिए क्राइम ब्रांच ने व्हाट्सएप वॉयस नोट को फॉरेंसिक में भेजा है और इसका रिपोर्ट आना बाकी है। पहले रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया और फिर डराने और पैसे ऐंठने के लिए अभिनेता को निशाना बनाया गया।

दामाद संग भागी सास का 10 महीने बाद मोहभंग, थाने पहुंचकर बोली अब अकेले रहना है

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में रिश्तों को शर्मसार और हैरान करने वाला एक मामला एक बार फिर चर्चा में है। दादों थाना क्षेत्र में करीब 10 महीने पहले अपने पति और बच्चों को छोड़कर दामाद के साथ फरार होने वाली सास का अब अपने 'प्रेमी दामाद' से भी मोहभंग हो गया है। महिला अचानक थाने पहुंची और पुलिस से गुहार लगाई कि उसे दामाद से खतरा है। यह मामला तब और पेचीदा हो गया जब दामाद ने पुलिस को बताया कि उसकी 'सास' अब उसे भी छोड़कर अपने बहनोई के साथ भाग गई है। इस पारिवारिक ड्रामे ने पुलिस को भी पशोपेश में डाल दिया है। थाने पहुंची महिला सपना देवी ने पुलिस के सामने अपनी आपबीती सुनाते हुए दामाद राहुल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सपना का कहना है कि पिछले 10 महीनों से वह नर्क जैसी जिंदगी जी रही थी। उसका आरोप है कि राहुल ने उसे बंधक बनाकर रखा, उसके साथ मारपीट की और उसे मानसिक रूप से बुरी तरह प्रताड़ित किया। महिला ने पुलिस से साफ शब्दों में कहा कि वह अब राहुल के साथ नहीं रहना चाहती। उसने पुलिस से अपनी सुरक्षा की मांग करते हुए कहा कि वह अब अपनी जिंदगी अकेले ही गुजारना चाहती है।

जबलपुर में ईडी की कार्रवाई, 11.81 करोड़ की अचल संपत्ति अटैच

जबलपुर। आय से अधिक संपत्ति मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय के भोपाल जोनल कार्यालय ने आदिम जाति कल्याण विभाग के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर जगदीश सरवटे की 11.81 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर दी है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 के तहत की गई है।

असम में पुलवामा का जिक्र कर बोले पीएम मोदी

कांग्रेस आतंकियों को अपने कंधे पर बिठाती है-पीएम मोदी

गुवाहाटी। एजेंसी

असम में इस साल विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। चुनाव की औपचारिक घोषणा से चंद हफ्ते पहले राज्य को आज विकास परियोजनाओं की सौगात मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम दौरे पर आज राज्यवासियों को संबोधित भी किया। उन्होंने गुवाहाटी में आयोजित जनसभा में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया। बढ़ती सियासी सरगर्मियों के बीच चुनावी बिगुल फूंकते हुए पीएम मोदी ने एक तरफ जहां भाजपा के कार्यकाल में हुए फैसलों और विकास परियोजनाओं का उल्लेख किया तो दूसरी तरफ विपक्षी राजनीतिक पार्टी- कांग्रेस को भी आड़े हाथ लिया। पीएम मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर आतंकियों को कंधे पर बिठाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस नेता घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। उन्होंने भाजपा के पक्ष में जनादेश का भरोसा जताते हुए कहा कि आने वाले चुनावों में जनता भारी बहुमत से भाजपा की सरकार चुनेगी। कांग्रेस पर तुष्टिकरण के आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर को नजरअंदाज कर कांग्रेस पार्टी ने हमेशा फंड आवंटित करने से परहेज किया। उन्होंने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के कार्यकाल में किए जा रहे फैसलों को रेखांकित करते हुए आज लोकार्पण के बाद खोले गए भास्कर सेतु समेत कई अन्य परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। पुलवामा आतंकी हमले की सातवीं बरसी का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज ही पुलवामा हमले की बरसी है। मैं इस हमले में जान गंवाने वाले मां भारती के वीर सपूतों को नमन करता हूं। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने जिस तरह आतंकियों को सजा दी, वो पूरी दुनिया ने देखा है। जम्मू-कश्मीर के ही पहलगाम में अप्रैल, 2025 में दहशतगर्दों की कायराना करतूत का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, अभी आपने भारत की ये शक्ति ऑपरेशन सिंदूर में भी देखी है। पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना के मुंहतोड़ जवाब का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने गुवाहाटी की जनसभा में मौजूद जनता से पूछा, 'मैं आपसे जानना चाहता हूं कि क्या कभी कांग्रेस में देशहित के लिए इतनी हिम्मत के साथ फैसले करने की ताकत थी क्या वो ज्यादा से ज्यादा बयान दे सकते हैं।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'जो कांग्रेस भारत को राष्ट्र मानने से भी इनकार करती हो... जो सवाल करते हैं कि मां भारती क्या होती है, जो मां भारती के नाम तक से परहेज करती हो, जो मां भारती के प्रति जरा सा सम्मान तक नहीं दिखाते, वो कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती।' उन्होंने कहा, 'आज की कांग्रेस हर उस विचार... हर उस आतंकी को कंधे पर बिठाती है... जो देश का बुरा सोचता है। जो लोग देश के टुकड़े-टुकड़े करने का सपना देखते हैं... जो लोग, नॉर्थईस्ट को भारत से अलग करने के नारे लगाते हैं... वो कांग्रेस के लिए पूजनीय बन चुके हैं।' पीएम मोदी ने कहा, आजादी के समय मुस्लिम लीग ने देश का बंटवारा कराया।

चीन सीमा के पास हाईवे पर उतरे 16 फाइटर जेट पीएम मोदी ने किया एयरस्ट्रिप का उद्घाटन ....

भारत ने चीन सीमा के पास अपनी रक्षा तैयारियों को एक नई ऊंचाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिब्रूगढ़ में पूर्वोत्तर की पहली हाईवे-आधारित इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी का लोकार्पण किया। इस दौरान 16 लड़ाकू विमानों के टचडाउन ने यह साबित कर दिया कि भारतीय वायुसेना किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। पूर्वोत्तर भारत के सैन्य सामर्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास में आज एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के डिब्रूगढ़ जिले में स्थित मोरान बाईपास पर पूर्वोत्तर की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी का आधिकारिक उद्घाटन किया। यह 4.2 किलोमीटर लंबी एयरस्ट्रिप राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाई गई है, जो युद्ध या आपातकालीन स्थितियों में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों और मालवाहक जहाजों के लिए एक वैकल्पिक रनवे के रूप में काम करेगी। नरेंद्र मोदी के डिब्रूगढ़ पहुंचने पर मंच पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। प्रधानमंत्री स्वयं वायुसेना के विशेष विमान से इस हाईवे स्ट्रिप पर उतरे, जिसके साथ ही इसका रणनीतिक परीक्षण भी संपन्न हुआ। यह सुविधा उसी एक्सप्रेसवे मॉडल पर आधारित है, जैसा 2021 में उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर तैयार किया गया था।

महाशिवरात्रि आज

शिवालयों में जोर शोर से हो रही महाशिवरात्रि की तैयारी

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर के प्राचीन मंदिर हठकेश्वर महादेव, बूढ़ेश्वर महादेव, नीलकंठेश्वर महादेव एवं दूधाधारी मठ सहित राजधानी रायपुर एवं प्रदेश के आसपास के शिवालयों में महाशिवरात्रि पर्व मनाने की तैयारी जोरशोर से की जा रही है। इस बार महाशिवरात्रि का पर्व 15 फरवरी रविवार को श्रद्धालुओं द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव ने महाशिवरात्रि के दिन ही सन्यासी रूप त्यागकर गृहस्थ जीवन में माताा पार्वती के साथ विवाह किया था। महाशिवरात्रि का पर्व

माता पार्वती के अखंड तपस्या का फल था। महाराजा दक्ष की पुत्री पार्वती ने प्रतिज्ञा की थी कि वह भोलेनाथ से विवाह करेंगी। इस हेतु उन्होंने हिमालय के घने वन क्षेत्र में वर्षों तपस्या के बाद फाल्गुन कृष्ण पक्ष की चतुदर्शी तिथि को ही भोलेनाथ को पति रूप में प्राप्त किया था। महाशिवरात्रि का पर्व सात्विक प्रेम का प्रतीक है। इस दिन शिवलिंग पर भक्तगणों द्वारा लाल मंदार का फूल बेलपत्र दही, दूध, शहद, आदि से अभिषेक करने पर अक्षय सुखों की प्राप्ति होती है वहीं महिलाओं द्वारा विशेष कर विवाहित महिलाओं द्वारा शिवलिंग पर जलाभिषेक एवं दुग्धाभिषेक करने पर जहां पति की आयु में वृद्धि होती है वहीं अविवाहित कन्याओं द्वारा भक्तिभाव से भोलेनाथ का पूजन करने पर उन्हें मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। रायपुर के आसपास के क्षेत्रों में राजिम स्थित कुलेश्वर महादेव जो छग का त्रिवेणी संगम है एवं जतमई घटारानी सहित नरसिंह नाथ में भोलेनाथ के पूजन हेतु लाखों भक्तों की भीड़ जलाभिषेक एवं दुग्धाभिषेक के लिए रविवार को उमड़ेगी।

ऑपरेशन लोटस' के तहत भाजपा ने दिया बड़ा ऑफर

चंडीगढ़। संगरूर से आम आदमी पार्टी की विधायक नरिंदर कौर भराज ने एक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राजनीतिक धमारे करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। भराज ने खुलासा किया कि भाजपा के 'ऑपरेशन लोटस' के तहत हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उनसे संपर्क साधा और बंद कमरे में मीटिंग करने सहित भाजपा की टिकट दिलाने और मनमानी शर्तें पूरी करने का बड़ा ऑफर दिया। पार्टी ऑफिस में स्टेट मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में नरिंदर कौर भराज ने कहा कि भाजपा देश भर में चुनी हुई सरकारों को गिराने के लिए 'ऑपरेशन लोटस' चला रही है।

हिमंता पर जमकर बसरे ओवैसी

ईमानदार थे तो वीडियो क्यों डिलीट किया गया

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ कानूनी मोर्चा खोल दिया है। कथित तौर पर मुसलमानों के खिलाफ हिंसा दिखाने वाले एक 'डिलीटेड वीडियो' को लेकर उन्होंने न केवल पुलिस शिकायत दर्ज कराई है, बल्कि भाजपा-आरएसएस की विचारधारा पर देश को 'थियोक्रेटिक स्टेट' बनाने का आरोप भी लगाया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर

उनके एक कथित वीडियो को लेकर हमला तेज कर दिया। ओवैसी का आरोप है कि इस वीडियो में मुसलमानों के खिलाफ हिंसा को दर्शाया गया था, जिसे उन्होंने 'नरसंहारकारी' करार दिया है।

बीएनपी की जीत के बाद तारिक रहमान का बड़ा संदेश

देश के लोगों को अब मिली असली आजादी और अधिकार

ढाका/ एजेंसी

बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में बीएनपी को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान ने इसे जनता की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत लोकतंत्र के लिए बलिदान देने वाले लोगों को समर्पित है। चुनाव नतीजों के बाद ढाका के एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में तारिक रहमान ने कहा कि आज से देश में आजादी और अधिकारों का असली स्वरूप फिर से बहाल हुआ है। उन्होंने सभी दलों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील भी की। तारिक रहमान

ने कहा कि यह जीत बीएनपी की नहीं, बल्कि देश की जनता की जीत है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राजनीतिक विचार हो सकते हैं, लेकिन देशहित में सभी को साथ रहना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय एकता ही सबसे बड़ी ताकत है और बंटवारा सबसे बड़ी कमजोरी। रहमान ने कहा कि लोगों ने तमाम बाधाओं को पार कर लोकतंत्र की राह दोबारा खोल दी है और सीधे वोट से जवाबदेह संसद और सरकार की वापसी हुई है। बीएनपी प्रमुख ने स्पष्ट कहा कि किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी बहाने से किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सुरक्षित और मानवीय बांग्लादेश बनाने के लिए सबके सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब देश के पुनर्निर्माण का समय है और हर पक्ष को जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी।

रायज़ादा हंसराज स्टेडियम को सोलर पावर प्लांट के लिए मिली 13.48 लाख की ग्रांट

जालंधर। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और पूर्व भारतीय क्रिकेटर स.हरभजन सिंह ने जालंधर स्थित ऐतिहासिक रायज़ादा हंसराज बैडमिंटन स्टेडियम में सोलर पावर प्लांट लगाने के लिए अपने एमपी फंड से 13.48 लाख की ग्रांट मंजूर की है। सोलर पावर परियोजना का प्रस्ताव जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा लोक निर्माण विभाग के अनुमान के साथ भेजा गया था। पंजाब में खेलों के विकास के लिए लगातार सहयोग देने वाले सांसद स.हरभजन सिंह ने इस परियोजना को तुरंत मंजूरी दे दी।

पुलवामा बरसी पर अमित शाह ने शहीदों को श्रद्धांजलि

शाह की हुंकार, आतंकवाद के समूल नाश का संकल्प

नई दिल्ली। एजेंसी

साल 2019 में पुलवामा में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले की बरसी पर आज पूरा देश अपनी मातृभूमि की रक्षा में प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों को याद कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित देश के शीर्ष नेतृत्व ने शहीदों के सर्वोच्च बलिदान और अदम्य साहस को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। पुलवामा हमले की बरसी के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के

माध्यम से देश के वीर सपूतों को याद किया। उन्होंने कहा कि साल 2019 में आज ही के दिन अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर नायकों की निष्ठा, दृढ़ संकल्प और राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा हमारी सामूहिक चेतना में सदा अमिट रहेगी। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि हर भारतीय को इन जवानों के अटूट साहस से शक्ति और प्रेरणा मिलती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुलवामा के शहीदों को नमन करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति और कड़े संकल्प को दोहराया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और भारत सरकार इसके पूरी तरह से खात्मे (समूल नाश) के लिए दृढ़ संकल्पित है। शाह ने शहीद जवानों के शौर्य का स्मरण करते हुए कहा कि देश हमेशा उन सुरक्षा बलों और एजेंसियों का ऋणी रहेगा।

गैस कटर से काटकर निकाले गए शव

ट्रक से टकराई कार-कोबरा बटालियन के 4 जवानों की मौत

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना सामने आई है। जगदलपुर से रायपुर जा रही कोबरा बटालियन के जवानों की कार खपरी बाईपास पर खड़े एक ट्रक से जा टकराई। इस भयावह हादसे में चार लोगों की जान चली गई है, जिससे पूरे सुरक्षा बल में शोक की लहर है। धमतरी से आई हालिया जानकारी की मानें तो यह भीषण हादसा उस समय हुआ जब कोबरा बटालियन के जवान एक कार में सवार होकर जगदलपुर से रायपुर की ओर जा रहे थे। जब उनकी कार धमतरी के खपरी गांव के पास बाईपास रोड पर पहुंची तो वहां सड़क किनारे पहले से खड़े एक ट्रक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और वाहन के परखच्चे उड़ गए।

गैस कटर से काटकर निकाले गए जवानों के शव

हादसे के बाद का दृश्य अत्यंत भयावह था। कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी और उसमें सवार जवान खून से लथपथ हालत में अंदर ही फंसे रह गए थे।, स्थानीय राहगीरों ने जब यह मंजर देखा, तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। अर्जुनी थाने की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। कार की हालत इतनी खराब थी कि उसमें फंसे जवानों को बाहर निकालने के लिए पुलिस को गैस कटर की मदद लेनी पड़ी। काफी

मशक्कत के बाद जवानों को क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकाला जा सका। इस दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। मृतकों की पहचान हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार, एएसआई उमेंद्र सिंह, कांस्टेबल राजकुमार गौड़ और सिविलियन चालक हीरा लाल नागर के रूप में की गई है। छत्तीसगढ़ पुलिस के अनुसार, दो जवानों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था, जबकि दो अन्य की मौत अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हुई। इस दुर्घटना में एक जवान, अभिमान राय, गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद धमतरी जिला अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर कर दिया गया है, जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। हादसे की वजह और जांच शुरू प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि सड़क किनारे खड़ा ट्रक इस भीषण दुर्घटना का मुख्य कारण बना। बताया जा रहा है कि सभी जवान अपनी ड्यूटी से संबंधित किसी महत्वपूर्ण कार्य के सिलसिले में रायपुर जा रहे थे। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर धमतरी जिला अस्पताल के मर्चुरी में रखवा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार बाइक आपस में भिड़ी, तीन की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर में फिर से रफ्तार का कहर देखने को मिला है. विधानसभा थाना इलाके में रात भीषण सड़क हादसा हुआ. दो तेज रफ्तार बाइक की आपस में भिड़ंत हो गई. हादसे में पति-पत्नी समेत तीन की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हुआ. मृतकों की पहचान टेकारी निवासी भोजराज विश्वकर्मा, प्यारी बाई विश्वकर्मा और मांढर निवासी सुभम यादव के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, घटना गुरुवार देर रात की बताई जा रही है. बाइक सवार भोजराज विश्वकर्मा, प्यारी बाई विश्वकर्मा और सुभम यादव की मौत हो गई.

बरगांव में गूंजा 'मनरेगा बचाव संग्राम', जन चौपाल में ग्रामीणों ने लिया अधिकारों की रक्षा का संकल्प

बेमेतरा। सरिया ब्लॉक के ग्राम पंचायत बरगांव में मनरेगा बचाव संग्राम के तहत जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और रोजगार गारंटी योजना से जुड़े अपने अधिकारों को लेकर जागरूकता दिखाई।जन चौपाल को संबोधित करते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष उग्रसेन साहू ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मनरेगा सिर्फएक योजना नहीं, बल्कि गरीब, मजदूर, किसान और महिलाओं की आजीविका की गारंटी है। गांवों में रोजगार और सम्मान देने वाली इस योजना के बजट में कटौती कर गरीबों के हितों को कमजोर किया जा रहा है।

प्रदेश प्रतिनिधि शरद यादव ने ग्रामीणों को विस्तार से मनरेगा की उपयोगिता समझाई। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से गांवों में तालाब, सड़क, नाली, खेत-तालाब और मेड़बंदी जैसे स्थायी कार्य हुए हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। मनरेगा ने पलायन रोकने में बड़ी भूमिका निभाई है और गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान नीतियों के कारण मजदूरों को समय पर काम और मजदूरी नहीं मिल पा रही है, जो चिंताजनक है। कांग्रेस पार्टी मनरेगा को कमजोर नहीं होने देगी और इसके अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

पूर्व विधायक प्रकाश नायक ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि रोजगार गारंटी योजना गरीब, मजदूर और किसानों के लिए जीवनरेखा है। उन्होंने ग्रामीणों से संगठित होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आने की अपील की।कार्यक्रम में बीडीसी युवराज चौधरी, मानस साहू और ललित डनसेना ने भी अपने विचार रखे और मनरेगा बचाव के समर्थन में आवाज बुलंद की। मंच संचालन उग्रसेन साहू ने किया।

जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने एक स्वर में मनरेगा को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का विरोध करने और अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रकाश नायक, प्रदेश प्रतिनिधि शरद यादव, ब्लॉक अध्यक्ष उग्रसेन साहू, बीडीसी युवराज चौधरी, मंडल अध्यक्ष अगनू पटेल, प्रकाश पुरोहित, खेमराज नायक, रूप पटेल, जयप्रकाश साहू, संजय प्रधान, नरेंद्र डनसेना, तफ्सीर, मानस साहू, बासु पटेल, खुशीराम, संजय बारीक, उपेंद्र, खीरों, प्रेम साहू, दुर्गेश, भुवन विजय, मधुर लाल, गुलशन, भवानी, घसिया, जयलाल, पलटन, श्यामलाल, मधुर, शकराजीत, रामगोपाल, प्रमोद यादव, अनिल, सुरेश, ईश्वर साहू, लोकेश, रविचंद्र पटेल, बावा, बल्लभ, आश्वसन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कवर्धा के खिलाड़ियों ने रचा स्वर्णिम इतिहास, जूनियर नेशनल सॉफ्टबॉल में छत्तीसगढ़ को डबल गोल्ड

कवर्धा। नगर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान अशोका पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ को ऐतिहासिक डबल गोल्ड दिलाया है। 69वीं शालेय राष्ट्रीय स्तरीय सॉफ्टबॉल जूनियर बालक/बालिका प्रतियोगिता में बालक और बालिका दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम पूरे देश में रोशन किया गया। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडियाके तत्वावधान में 4 से 8 फरवरी 2026 तक बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित हुई, जिसमें देशभर की मजबूत टीमों ने हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ की टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन बल्लेबाजी, सटीक पिचिंग और मजबूत फील्डिंग का प्रदर्शन करते हुए दबदबा बनाए रखा। बालक वर्ग में सोहम सिंह राजपूत एवं शुभम सेन ने स्वर्ण पदक जीतकर महत्वपूर्ण योगदान दिया, वहीं बालिका वर्ग में पूजा चंद्रवंशी ने शानदार प्रदर्शन किया। बालक टीम ने लीग मुकाबलों में गुजरात और बिहार को हराया, क्वार्टरफाइनल में तेलंगाना को 7-0 से, सेमीफाइनल में पंजाब को 6-0 से पराजित किया तथा फाइनल में महाराष्ट्र को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बालिका वर्ग में छत्तीसगढ़ ने बिहार, गुजरात, दिल्ली और महाराष्ट्र को हराने के बाद फाइनल में सीबीएसई टीम को 2-0 से मात दी। इस उपलब्धि में कोच मृत्युंजय शर्मा, दिनेश वर्गीस एवं विद्यालय खेल प्रशिक्षक राजा जोशी का विशेष योगदान रहा। विद्यालय के संचालक पवन देवांगन, संचालिका सारिका देवांगन एवं प्राचार्य ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इसे कवर्धा के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद नगरवासियों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है।

शिखर युवा मंच द्वारा ग्राम कुंकरापानी स्कूल में स्वच्छता जागरूकता शिविर का आयोजन

स्कूली बच्चों को स्वच्छता संबंधी दी गई कई महत्वपूर्ण जानकारियां

कवर्धा। एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से शिखर युवा मंच द्वारा संचालित एसबीआई संजीवनी मोबाइल मेडिकल यूनिट टीम कबीरधाम द्वारा 13 फरवरी को ग्राम कुंकरापानी स्थित मिडिल स्कूल एवं प्राथमिक स्कूल में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यालय परिसर में स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करना, बच्चों में स्वच्छ आदतों का विकास करना तथा स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में दोनों विद्यालयों के कुल 110 विद्यार्थियों एवं 4 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शिविर के दौरान एसबीआई संजीवनी एमएमयू टीम ने बच्चों और शिक्षकों को स्वच्छता से जुड़ी आवश्यक जानकारियां सरल एवं प्रभावी तरीके से समझाई। टीम द्वारा विद्यालय में स्वच्छता किट का वितरण किया गया, जिसमें डस्टबिन, हार्पिक, हैंडवॉश, फिनाइल, ब्लीचिंग पाउडर, शॉप/साफ़-सफ़ाई सामग्री आदि शामिल थे, ताकि विद्यालय में नियमित स्वच्छता बनाए रखी जा सके।

इसके अतिरिक्त, टीम के सदस्यों द्वारा विद्यालय परिसर की सफ़ाई, शौचालयों की समुचित सफ़ाई तथा नलकूप (हैंडपंप) की सफ़ाई भी की गई। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता केवल बातों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे व्यवहार में उतारना भी उतना ही आवश्यक है। साफ़-सुथरा वातावरण न केवल बीमारियों से बचाव करता है, बल्कि पढ़ाई के लिए सकारात्मक माहौल भी तैयार करता है। शिविर के दौरान बच्चों को हाथ धोने के 6 चरणों (6 स्टेप्स) का लाइव डेमो भी दिया गया। टीम ने समझाया कि सही तरीके और सही समय पर हाथ धोना कई संक्रामक बीमारियों से बचाव का सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। बच्चों को भोजन से पहले, शौचालय के उपयोग के बाद और खेलकूद के पश्चात हाथ धोने की आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कृषि संवर्गीय विभागों की समीक्षा बैठक: खरीफ तैयारी, खाद-बीज उपलब्धता एवं योजनाओं की प्रगति पर कलेक्टर ने दिए निर्देश

बेमेतरा। बीते शुक्रवार को कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता में जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कृषि संवर्गीय विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं उससे संबद्ध विभागों द्वारा संचालित केंद्र एवं राज्य पोषित योजनाओं की प्रगति, लक्ष्य पूर्ति, हितग्राही लाभ वितरण तथा जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की स्थिति का विभागवार परीक्षण किया गया।बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिले में किसानों को समय पर योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए सभी विभाग समन्वय स्थापित कर कार्य करें। विशेष रूप से आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए खाद, बीज एवं उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सहकारी समितियों एवं अधिकृत विक्रेताओं के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक समय पर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में कृषि उत्पादन बढ़ाने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने तथा दलहन, तिलहन एवं उद्यानिकी फसलों के विस्तार पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर महोदया ने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किसानों को उन्नत तकनीक, आधुनिक कृषि यंत्रों तथा जल संरक्षण आधारित खेती की ओर प्रेरित किया जाए। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किए जाने के निर्देश दिए गए। पशुपालन, उद्यानिकी एवं मत्स्य पालन विभागों की गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। पशुधन टीकाकरण, दुग्ध उत्पादन वृद्धि, उद्यानिकी मिशन अंतर्गत पौधारोपण, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई योजनाओं तथा मत्स्य बीज वितरण की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। कलेक्टर महोदया ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाए तथा प्रगति रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत की जाए।बैठक में उप संचालक कृषि मोरध्वज डडसेना, उप संचालक पशु चिकित्सा राजेन्द्र भगत, सहायक संचालक उद्यान, सहायक संचालक मछली पालन, वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की तथा आगामी कार्ययोजना से अवगत कराया। अंत में कलेक्टर महोदया ने सभी विभागों को लक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली अपनाने, मैदानी भ्रमण बढ़ाने तथा किसानों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि जिले में कृषि एवं कृषि आधारित गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया जा सके।

ग्रीष्मकालीन धान पर सख्ती: जल संकट के मद्देनज़र बेमेतरा को जल अभाव क्षेत्र घोषित, 20 ट्रांसफॉर्मर से बिजली बाधित, 45 पंप जब्त

बेमेतरा। जिले में इस वर्ष मात्र 552 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य औसत से काफी कम है। कम वर्षा के कारण भू-जल स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड द्वारा बेमेतरा जिले के तीन विकासखण्डों को क्रिटिकल ज़ोन घोषित किया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि समय रहते जल संरक्षण के प्रभावी उपाय नहीं किए गए, तो आगामी महीनों में पेयजल संकट और गहरा सकता है।जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में ही कृषकों से अपील की गई थी कि वे ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहन, तिलहन एवं अन्य कम पानी में तैयार होने वाली वैकल्पिक फसलों का उत्पादन करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया था कि ग्रीष्मकालीन धान की खेती में अत्यधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है, जिससे भू-जल दोहन बढ़ता है और पेयजल स्रोतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके बावजूद कुछ कृषकों द्वारा निर्देशों की अनदेखी करते हुए ग्रीष्मकालीन धान की खेती की जा रही थी, जिससे जल संकट की स्थिति और अधिक गंभीर होने की आशंका बनी हुई थी।स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए कलेक्टर महोदया द्वारा पेयजल संरक्षण अधिनियम के तहत पूरे बेमेतरा जिले को जल अभाव क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय आमजन को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने और भविष्य के संकट को टालने के उद्देश्य से लिया गया है। निर्देशों के उल्लंघन पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, राजस्व, कृषि, पुलिस, विद्युत एवं जल संसाधन विभाग की संयुक्त टीम गठित की। संयुक्त दल द्वारा जिले के गुनरबोड़, जेवरी, अमोरा, बावनलाख, भिंभौरी, अतरगढ़ी, बुढ़ा जौंग सहित कुल 7 गांवों में 20 ट्रांसफॉर्मरों से बिजली प्रवाह बाधित किया गया, ताकि अवैध रूप से की जा रही सिंचाई को रोका जा सके।इसके अतिरिक्त शिवनाथ नदी से अवैध रूप से ग्रीष्मकालीन धान की सिंचाई करते पाए जाने पर जल संसाधन विभाग के उड़नदस्ता दल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भाठासोरी, तबलखोर, परपोड़ा, ताकम, पाथरपूंजी, सिँवार, सलधा सहित कुल 16 ग्रामों में छापेमारी की। इस दौरान कुल 45 पंप जब्त किए गए। जब्त पंपों के माध्यम से नदी एवं अन्य स्रोतों से अनधिकृत जल दोहन किया जा रहा था।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि जनहित में आवश्यक कदम है। पेयजल संकट की आशंका को देखते हुए आगे भी निरंतर निरीक्षण एवं कार्रवाई जारी रहेगी।

महाशिवरात्रि के अवसर पर ग्राम कामठी में पंडरिया विधायक भावना बोहरा संग श्रद्धालु 151 पार्थिव शिवलिंग में एक साथ करेंगे रुद्राभिषेक

कवर्धा। महाशिवरात्रि के अवसर पर 15 फरवरी को पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा शिवभक्तों के लिए विशेष आयोजन किया गया है। पंडरिया विधानसभा अंतर्गत ग्राम कामठी में 151 पार्थिव शिवलिंग में हजारों विवाहित जोड़ें और श्रद्धालु एक साथ पुरे विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ भगवन भोलेनाथ का रुद्राभिषेक करेंगे और अपने परिवार के साथ-साथ पंडरिया विधानसभा एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश की प्रगति एवं सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। इस पुण्य अवसर पर शामिल होकर रुद्राभिषेक करने हेतु विवाहित जोड़ों और श्रद्धालुओं को अपना पंजीयन कराना होगा जिसके लिए वे अपनी नजदीकी जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र (विधायक कार्यालय) से पंजीयन पत्र प्राप्त कर उसमें उल्लेखित जानकरी दर्ज कर अपना पंजीयन करा सकते हैं। रुद्राभिषेक के पश्चात् पुरे विधि-विधान के साथ पार्थिव शिवलिंग का प्रवाह संस्कार किया जाएगा। इस अवसर पर भंडारा एवं महाप्रसादी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध भजन गायक अनुराग शर्मा द्वारा सांकृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया है। इस आयोजन को लेकर जनता में अपार उत्साह देखने को मिल रहा है और अब तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपना पंजीयन कराया है। विदित हो कि पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा निरंतर सनातन संस्कृति के प्रसार हेतु धार्मिक आयोजन एवं पद यात्रा किये हैं। सावन माह में प्रतिवर्ष अमरकंटक में उनके द्वारा कबीरधाम जिले के कांवड़ यात्री जो अमरकंटक में जलाभिषेक के लिए कठिन पद यात्रा करके जाते हैं उनकी सेवा एवं सुविधा के लिए वहां निःशुल्क भोजन एवं विश्राम की व्यवस्था की जाती है जहाँ प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में कांवड़ यात्रियों का आगमन होता है और उन्हें इस सुविधा का लाभ मिलता है। गत वर्ष स्वयं विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा एवं छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि व जनकल्याण की कामना के साथ माँ नर्मदा मंदिर से जल लेकर भोरमदेव मंदिर तक 151 किलोमीटर की कठिन कांवड़ यात्रा की।

सरगुजा संभाग का पहला ओपन थिएटर तैयार: कोरिया में विकास की नई पटकथा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे उद्घाटन

कोरिया। सरगुजा संभाग के इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। कोरिया जिले में सरगुजा संभाग का पहला ओपन थिएटर बनकर पूरी तरह तैयार है, जिसका उद्घाटन 16ङ्क17 तारीख को आयोजित कोरिया उत्सव के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों से किया जाएगा। लगभग 26 लाख 67 हजार रुपये की लागत से निर्मित यह ओपन थिएटर न केवल सांस्कृतिक गतिविधियों को नया मंच देगा, बल्कि जिले की पहचान को भी नई ऊंचाई प्रदान करेगा। ओपन थिएटर की भव्य संरचना और आकर्षक चित्रकारी देखते ही बनती है। इसकी दीवारों पर उकेरी गई पारंपरिक एवं सांस्कृतिक झलकियां छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक कला और परंपरा को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती हैं। रंग-रोगन और कलात्मक सज्जा के कारण यह स्थल लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस प्रकार की सुंदर और सुव्यवस्थित सांस्कृतिक संरचना पहले कभी जिले में देखने को नहीं मिली। कोरिया जिला भले ही भौगोलिक दृष्टि से छोटा हो, लेकिन विकास और नवाचार के मामले में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहा है। झुमका बांध में पूर्व कलेक्टर द्वारा शुरू की गई बोट सुविधा ने पर्यटन को नई दिशा दी थी, जिससे जिले में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। अब वर्तमान कलेक्टर के प्रयासों से तैयार हुआ यह ओपन थिएटर जिले के सांस्कृतिक इतिहास में मील का पत्थर साबित होने जा रहा है।जिला प्रशासन के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है कि कोरिया जैसे सीमावर्ती जिले में इस प्रकार की आधुनिक सुविधाएं विकसित हो रही हैं। कलेक्टर कोरिया के मार्गदर्शन में न केवल आधारभूत संरचनाओं का विकास हो रहा है, बल्कि सांस्कृतिक धरोहरों को भी सहेजने और बढ़ावा देने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। ओपन थिएटर भविष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नाट्य मंचन, लोकनृत्य, संगीत समारोह और सामाजिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा।

छत्तीसगढ़ के पहली यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड प्राप्त छात्रा साक्षी जायसवाल को शिक्षा मंत्री ने सम्मानित किया

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के पहली युवा यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड प्राप्त छात्रा साक्षी जायसवाल जिसके पिता जिले के ही डी ए वी स्कूल जांता के प्राचार्य पद पर पदस्थ हैं। सुपुत्री साक्षी जायसवाल छत्तीसगढ़ के पहली बालिका बॉल वैज्ञानिक हैं जिन्होने अब तक अनेक अवॉर्ड प्राप्त कर चूंकि हैं, अब तक उन्हें भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय पी एम ओ , तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री,बिहार के मंत्री, उत्तर प्रदेश के मंत्री, व दिल्ली के मंत्री व चेन्नई के राज्य पाल ने चेन्नई के राजभवन में सर्टिफिकेट ,मोमेंटो से सम्मानित हो चुकी हैं। . नेशनल स्पेश डे, के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ से मात्र एक बालिका वैज्ञानिक छात्रा साक्षी जायसवाल यंग साइंटिस्ट इंडिया के ग्रैंड फिनाले में भाग लेकर, 23 अगस्त 2023 एवं 23 अगस्त 2024 एवं 23 अगस्त 2025 के लगातार तीन वर्ष तक चयनित होकर, बतौर बाल वैज्ञानिक बनकर पहुँची थी जिन्हें चेन्नई के राज भवन में प्रधानमंत्री जी के सलाहकार एवं चेन्नई के राज्यपाल टी एन रवि जी ने पहले बालिका युवा वैज्ञानिक से सम्मानित किए हैं। एवं लेफ्टिनेंट जनरल बी एस खण्डारे दिल्ली, रूसी व कजाकिस्तानी के अंतरिक्ष यात्री, नासा व इसरो सहित देश व विदेश से आये अनेक वैज्ञानिकों ने साक्षी जायसवाल को यंग साइंटिस्ट इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित कर चुके हैं।. शीर्षकः प्रकाश का उपयोग करके डेटा स्थानांतरण हेतु वायरलेस संचार तकनीक का आविष्कार करने वाले भारत कर पहले कम उम्र के बालिका बाल वैज्ञानिक का वर्ड रिकॉर्ड गोलडन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाई हूँ मैं 12 वर्ष 19 दिन मात्र। अखिल भारतीय कलाल, कलवार, कलार महासभा नई दिल्ली द्वारा कलचुरी गौरव रत्न 2025 से अलंकृत किया गया हैं।माननीय शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव जी ने साक्षी जायसवाल को अपने कर कमलों से गोल्ड मैडल व युवा वैज्ञानिक गोल्डन बुक ऑफ़वर्ल्ड रिकॉर्ड सर्टिफिकेट से साक्षी को सम्मानित किए हैं , शिक्षा मंत्री जी ने साक्षी छत्तीसगढ़ के पहली बालिका बाल वैज्ञानिक बनने पर उन्हें बधाई देते हुए शुभकामनाएं दिए हैं, साक्षी ने गोल्डन बुल ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड महज 12 वर्ष 19 दिन में यह रिकॉर्ड बनाई है, मंत्री ने साक्षी के सराहना किए साक्षी जायसवाल ऐसे बालिका बाल वैज्ञानिक है उनसे प्रेरणा लेकर हमारे अन्य बच्चे भी वैज्ञानिक प्रतिभा को निखार पाएंगे साक्षी जायसवाल वैज्ञानिक बेटी ने निश्चित ही बेमेतरा जिले के साथ -साथ हमारे छत्तीसगढ़ राज्य व देश का नाम भी नाम रौशन कर रही हैं।

साक्षी जायसवाल 12 वर्ष व पियुष जायसवाल 13 वर्ष सगे भाई बहनों ने गोल्डन बुक ऑफ इंडिया वर्ल्ड रिकार्ड बनाकर इतिहास रचचुके हैं।ङ्घबड़े भाई डॉ पियुष जायसवाल भी कम नही उन्होंने भी अनेक उपलब्धियां हाशिल कर चुके हैं। पुस्तक - फूलफील ऑफ कॉसमॉस, लेखक व ऑथर मात्र 12 वर्ष, कक्षा 7वी में कवि,लेखक ऑर्थर के साथ गोल्डन ऑफ़ इंडिया में वर्ल्ड रिकॉर्ड में मात्र उम् 13 वर्ष नाम दर्च करा चुके हैं, अनुसंधान रिसर्च- वेग रहस्य (ङ्कद्दह्यश्वष्ठह्व4 स्4ह्यह्लद्गह्म्4) मात्र 13 वर्ष उम्र में, कक्षा 8वी में शोध में विषय - खगोल विज्ञान अंतरिक्ष विज्ञान को लेकर। अन्य उपलब्धियां - गोल्डन बुक ऑफइंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड्स एस्ट्रोफिजिक्स में, सबसे कम उम्र के वैज्ञानिक व मात्र 13 वर्ष में सबसे कम उम्र में अल्बर्ट आइंस्टीन के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए, डॉ के उपाधि सबसे कम उम्र में पी एच डी करने वाले छात्र हैं। जिन्हें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अभी हाल ही में छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान से सम्मानित किए है व देश के प्रधानमंत्री से भेंट मुलाकात कर सम्मानित करवाएंगे यह भी भरोसा दिलाए हैं। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री भी बच्चों से बहुत प्यार करते हैं खास कर वैज्ञानिक प्रतिभा वाले बच्चों से मिलकर खुश होते हैं.ये दोनों वैज्ञानिक बच्चों का हार्दिक इच्छा कें उन्हें प्रधानमंत्री मिलकर आशीर्वाद प्राप्त करना है । अब देखना होगा कि प्रधानमंत्री जी वैज्ञानिक प्रतिभा वाले इन बाल वैज्ञानिकों को कब मुलाकात कर सम्मानित करेंगें?

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के स्कूलों में फेयरवेल पर सख्ती: पूर्व सूचना अनिवार्य, जोखिमपूर्ण करतबों पर रोक

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब स्कूलों में होने वाले विदाई समारोह और अन्य आयोजनों को लेकर कड़े नियम लागू किए गए हैं। राज्यपाल संरक्षण आयोग ने इस विषय पर गंभीर रुख अपनाते हुए लोक शिक्षण संचालनालय, प्रदेश के सभी कलेक्टरों तथा जिला शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि किसी भी कार्यक्रम का आयोजन बिना पूर्व लिखित सूचना के न किया जाए। आयोग ने कहा है कि स्कूल प्रबंधन को हर सांस्कृतिक आयोजन या समारोह से पहले विधिवत जानकारी देना आवश्यक होगा। साथ ही कार्यक्रमों के संचालन के लिए निश्चित आचरण संहिता तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आयोजन अनुशासित, मर्यादित और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सकें। स्कूल की गरिमा बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया है। किसी भी प्रकार के खतरनाक प्रदर्शन, अनुचित गतिविधि या अवांछित व्यवहार पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। यह निर्णय हाल के कुछ चिंताजनक घटनाक्रमों के बाद लिया गया है। धमतरी जिले में पाँच फरवरी को विदाई समारोह के दौरान छात्रों द्वारा जोखिम भरा करतब करने के प्रयास में एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई थी, जिसमें पाँच विद्यार्थी गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने शासकीय स्कूलों में ऐसे खतरनाक कृत्यों पर रोक लगाने का आदेश जारी किया। इसी तरह सूरजपुर जिले से भी छात्रों द्वारा सड़कों पर वाहनों के साथ जुलूस निकालने और चलती गाड़ियों से लटककर करतब दिखाने के मामले सामने आए हैं। यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए छात्रों द्वारा किया गया यह आचरण गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि स्कूली कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक और शैक्षणिक विकास होना चाहिए, न कि दिखावा या जोखिम उठाना। निर्देशों के पालन में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित संस्थान के विरुद्ध कार्रवाई भी की जा सकती है।

रायपुर प्रेस क्लब के सदस्यों को मिलेगा रियायती दर पर इलाज, निजी अस्पतालों से हो रहा एमओयू

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब अपने सदस्यों के हित में एक और महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक पहल करने जा रहा है। प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहन तिवारी के नेतृत्व में कार्यकारिणी द्वारा शहर के प्रमुख अस्पताल प्रबंधन से रियायती दर पर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार संवाद किया जा रहा है। इस संबंध में वरिष्ठ पत्रकार मनीष वोरा और निर्वाचित कार्यकारिणी अलग-अलग अस्पताल प्रबंधन से चर्चा कर सहमति बनाने के लिए प्रयासरत हैं जिसमें, रामकृष्ण हॉस्पिटल, एम एम आई, बालाजी , नारायणा ,और सुयश, वी वाय हॉस्पिटल शामिल है,, इसी कड़ी में रायपुर के प्रतिष्ठित अस्पताल प्रबंधन समूह आईटीएसएग्रुप के साथ प्रेस क्लब की सहमति बन गई है। दोनों पक्षों के बीच हुई सहमति के तहत आईटीएसए प्रबंधन ने प्रेस क्लब को अपना सहमति पत्र सौंप दिया है। अब प्रेस क्लब से जुड़े सदस्य आईटीएसए अस्पताल में उपचार कराने पर निर्धारित रियायती दरों का लाभ ले सकेंगे। सहमति के अनुसार प्रेस क्लब के सदस्यों को निम्नानुसार छूट प्रदान की जाएगी कंसल्टेंट फीस में 40प्रतिशत छूट लेबोरेटरी टेस्ट में 25प्रतिशत छूट रेडियोलॉजी जांच में 25प्रतिशत छूट ओपीडी फर्मेसी में 10प्रतिशत छूट रायपुर प्रेस क्लब के और से महासचिव गौरव शर्मा उपाध्यक्ष दिलीप साहू कोषाध्यक्ष दिनेश यदु,संयुक्त सचिव द्वय निवेदिता साहू और भूपेश जांगड़े ने इस सराहनीय पहल के लिए आईटीएसए अस्पताल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया है। प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी ने बताया कि इस सुविधा का लाभ सुनिश्चित करने के लिए आईटीएसए प्रबंधन और रायपुर प्रेस क्लब की ओर से एक साझा पहचान कार्ड जारी किया जाएगा। इसी कार्ड के आधार पर सदस्य संबंधित अस्पताल में रियायती दरों का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

चौपहिया वाहन की रफ्तार पर विराम नहीं, दुपहिया वाहन चालकों को हो रही परेशानी

रायपुर। पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू होने के बाद भी चोपहिया वाहनों की रफ्तार में विराम नहीं होने के कारण इन दिनों दुर्घटनाओं में इजाफा हुआ है। शहर के भीड़ भरे रास्तों से फूल रफ्तार से आड़ी टेढ़ी गाड़ी चलाने वाले चौपहिया वाहन चालकों पर ट्रैफिक पुलिस का कोई नियंत्रण नहीं है। 50 -60 पार करने वाले अधेड़ एवं बुजूर्गों को दोपहिया वाहन चलाने में काफी परेशानी अनुभव होती है। कुछ वाहन चालक तो इतने बदतमीज होते है कि जान बूझकर अधेड़ एवं बुजूर्गों को देखकर ठीक उनके वाहन के पास से जान बूझकर फूल रफ्तार गाड़ी चलाते है जिसकी वजह से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। बुधवार देर रात को इसी तरह की घटना मोवा एफसीआई गोडाउन रोड पर देखने को मिली जब एक इनोवा कार एक बुजूर्ग को स्कूटर चलाते समय टक्कर मारकर फूल स्पीड से मोवा ओव्हरब्रीज की तरफ जाते दिखी जबकि बुजूर्ग किनारे वाहन चला रहे थे। इसी तरह की घटनाएं शहर के पाश इलाकों एवं मालवीय रोड सदर बाजार एमजी रोड एवं पुरानी बस्ती क्षेत्र में आए दिन दिखाई देती है।

सरगुजा जिले को 523 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की मिली सौगात

मैनपाट महोत्सव से सरगुजा की संस्कृति को मिलेगी व्यापक पहचान

■ मैनपाट में पर्यटन के विकास हेतु 1 करोड़ तथा सीतापुर में सर्व सुविधायुक्त बस स्टैंड के निर्माण हेतु मुख्यमंत्री ने की घोषणा

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सरगुजा जिले के मैनपाट में आयोजित तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ किया। समारोह में उन्होंने सभी को मैनपाट महोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान मैनपाट में पर्यटन के विकास हेतु 1 करोड़ रुपए तथा सीतापुर में सर्व सुविधायुक्त बस स्टैंड के निर्माण हेतु घोषणा भी की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिले में 523 करोड़ 20 लाख 53 हजार रूपए की राशि के 109 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरगुजा की संस्कृति, अस्मिता को दिखाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है यह समारोह। इस महोत्सव से यहां की संस्कृति से देश-दुनिया परिचित होंगे। बाहर से आने वाले एवं स्थानीय कलाकारों को भी मंच मिलेगा और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का मूलमंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास है। उनके विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हम लोग विकसित छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प लिए हैं। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख से ज्यादा माताओं-बहनों के खाते में एक हजार हर महीने आता है, 15 हजार करोड़ से ज्यादा रुपए उनके खाते में जा चुका है। आप लोगों ने देखा है कि 2 साल में यशस्वी प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के आशीर्वाद के कारण उनके दृढ़ ईच्छा शक्ति के कारण यह क्षेत्र नक्सवाद से मुक्त हो रहा है। मैं अपने प्रदेश के जवानों के साहस को नमन करता हूं। कार्यक्रम

में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का तिब्बती बंधुओं द्वारा तिब्बती संस्कृति पर आधारित ताशी शोपा नृत्य के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण किया। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर विकास हो रहा है। राज्य सरकार पर्यटन स्थलों के समग्र विकास, आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण और नई संभावनाओं के सृजन की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मैनपाट जैसे प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थल पर पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही से स्थानीय युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। विधायक श्री राम कुमार टोप्पो ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन केवल एक उत्सव का शुभारंभ नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति के प्रति प्रेम का महोत्सव है। मैनपाट महोत्सव जन-गौरव का उत्सव है, जहां प्रकृति ने स्वयं इस धरती को अद्भुत सौंदर्य से सजाया है। विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैनपाट महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर आज क्षेत्र के विकास हेतु 500 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है। इन कार्यों से मैनपाट में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलेगी। मैनपाट महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जिले में विकास को नई गति देते हुए कुल 523 करोड़ 20 लाख 53 हजार रुपए 109 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 429 करोड़ 11 लाख 40 हजार रुपए की लागत के 81 कार्यों का भूमिपूजन एवं 94 करोड़ 09 लाख 13 हजार रुपए की लागत के 28 कार्यों का लोकार्पण किया गया।

खरोरा पुलिस ने अवैध शराब बिक्री चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

रायपुर जिले की थाना खरोरा पुलिस द्वारा अवैध शराब बिक्री करने के चार अलग-अलग मामलों में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से कुल 151 पौवा देशी शराब जब्त किया है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के दिशा निर्देश पर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत शुक्ला के मार्गदर्शन में तथा अनुविभागीय अधिकारी (विधानसभा) वीरेन्द्र चतुर्वेदी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी खरोरा के नेतृत्व में आबकारी एक्ट में गिरफ्तार किया गया है विवरण:- इस प्रकार है कि आज दिनांक 12/02/2026 को जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम भण्डारपुरी में अवैध शराब बेचने की सूचना पर थाना खरोरा पुलिस पार्टी तस्दीक हेतू मुखबिर के बताए गये स्थानो में घेराबंदी कर दबिश देते हुए बताये गये हुलिए के व्यक्तियों को अलग-अलग स्थानो से पकड़े गयें जिनके कब्जे से 1.आरोपी का नाम भावदास मनहरे पिता अमरनाथ मनहरे उम्र 41 साल साकिन वार्ड क्रमांक 07 भंडारपुरी थाना खरोरा जिला रायपुर छग से 41 पौवा शेरा कंपनी का मसाला शराब प्रत्येक पौवा में 180-180 मि.ली. शराब भरा हुआ सीलबंद कुल मात्रा 07 लीटर 380 मि.ली. कीमती करीब 4100 रूपये 02 नगदी शराब बिक्री रकम 500 रूपये जुमला 4600 रूपये, आरोपी महेन्द्र पाल सोनवानी पिता स्व. नोहरदास सोनवानी उम्र 38 वर्ष ग्राम भंडारपुरी वार्ड कमांक 11 थाना खरोरा जिला रायपुर से 36 पौवा सवा शेरा कंपनी का देशी मदिरा मसाला शराब प्रत्येक पौवा में 180-180 मि.ली. शराब भरा हुआ सीलबंद कुल मात्रा 06 लीटर 480 मि.ली. कीमती 3600 रूपये आरोपी दया सागर मनहरे पिता स्व. मानसिंग मनहरे उम्र 28 साल साकिन मिल पारा भंडारपुरी थाना खरोरा जिला रायपुर से 40 पौवा सवा शेरा देशी मदिरा मसाला शराब प्रत्येक पौवा में 180-180 मि.ली. शराब भरा हुआ सीलबंद कुल मात्रा 07 लीटर 200 मि.ली. कीमती करीब 4000 रूपये 4.आरोपी का नाम- केदारनाथ मनहरे पिता अमरनाथ मनहरे उम्र 33 साल पता भंडारपुरी थाना खरोरा जिला रायपुर से 35 पौवा सवा शेरा देशी मदिरा मसाला शराब प्रत्येक पौवा में 180-180 मि.ली. शराब भरा हुआ।

तालाब गहरीकरण एवं ग्रे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का लिया जायजा

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आज जनपद पंचायत आरंग अंतर्गत ग्राम पंचायत परसदा-3 में वीबीजी राम जी के कार्यों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने विकसित भारत - रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत संचालित नए तालाब गहरीकरण कार्य का जायजा लिया। कलेक्टर डॉ सिंह ने श्रमिकों से चर्चा कर मजदूरी भुगतान की स्थिति की जानकारी ली तथा उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों से विकसित भारत जी-राम जी योजना के संबंध में भी संवाद कर योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम परसदा में ही स्थापित ग्रे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया।

रायपुर पश्चिम में स्मार्ट अधोसंरचना का स्वर्णिम अभ्युदय

विधायक ने टाटीबंध में समर्पित किया प्रदेश का सबसे भव्य महतारी सदन.....

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विकास की परिभाषा अब केवल कंक्रीट की सड़कों और आधारभूत ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवीय संवेदनाओं, मातृशक्ति के सम्मान और भविष्य की पीढ़ी को संस्कारित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। क्षेत्र के विकासपुरुष और दूरदर्शी राजनीति के प्रणेता विधायक राजेश मूणत की विशेष पहल पर नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 08 अंतर्गत शहीद भगत सिंह वार्ड (टाटीबंध) में प्रदेश का पहला सर्वसुविधायुक्त 'महतारी सदन सह आंगनबाड़ी' का गरिमामयी लोकार्पण संपन्न हुआ। 85 लाख की भारी-भरकम लागत से तैयार यह केंद्र छत्तीसगढ़ की

आंगनबाड़ी व्यवस्था के इतिहास में एक नया मील का पत्थर स्थापित कर रहा है। विधायक राजेश मूणत ने कहा कि साहस और संकल्प से बदला क्षेत्र का परिदृश्य सभा को संबोधित करते हुए विधायक राजेश मूणत ने अपनी दूरगामी सोच को साझा करते हुए कहा: मेरा संकल्प रायपुर पश्चिम को केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि देश का सर्वश्रेष्ठ 'मॉडल' बनाना है। 'महतारी सदन' मेरी उस परिकल्पना का मूर्त रूप है जहाँ हमारी मातृशक्ति को पूर्ण सम्मान मिले और नौनिहालों को वही वातावरण प्राप्त हो जो किसी संभ्रांत निजी प्ले-स्कूल में मिलता है। मुझे गौरव है कि सरकारी तंत्र के माध्यम से निर्मित यह संभवत: भारत का पहला ऐसा आंगनबाड़ी केंद्र है जो निजी क्षेत्रों की सुविधाओं को भी पीछे छोड़ता है। यहाँ बच्चे न केवल पोषण प्राप्त करेंगे, बल्कि खेल-खेल में अपने भविष्य का निर्माण करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव के प्रति आभार: क्षेत्र के विकास के लिए केवल बजट की नहीं, बल्कि प्रबल इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है।

ऑनलाईन सट्टा संचालित करते चारों सटोरिये गिरफ्तार किए.....

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर की थाना कबीर नगर पुलिस ने थानाक्षेत्र के तिरंगा चौक पास ऑनलाईन सट्टा संचालित कर कर रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 17 लाख रूपये नगद 7 नग मोबाईल फोन, 04 नग बैंक पासबुक, 01 बैंक चेकबुक, तथा 27 नग एटीएम/क्रेडिट/डेबिट कार्ड जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना कबीर नगर क्षेत्रांतर्गत फेस-02 तिरंगा चौक के पास कुछ व्यक्तियों द्वारा ऑन लाईन सट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना को पुलिस उपायुक्त (क्राईम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (वेस्ट जोन) संदीप पटेल द्वारा गंभीरता से लेते हुए अपने अधीनस्थ अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त एवं प्रभारी को सूचना की तस्दीक कर तत्काल आरोपियों की पतासाजी कर वैधानिक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना कबीर नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर रेड कार्यवाही किया गया। रेड कार्यवाही के दौरान वहां उपस्थित व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगे जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। इस दौरान कुल 04 व्यक्तियों को पकड़ा गया जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम दीपक सचदेवा, गौरव सचदेवा, ऋषभ रंगलानी एवं ओम खेमानी होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उनके मोबाईल फोन को चेक करने पर उनके द्वारा ऑनलाईन बैटिंग साईट्स रामको777 डॉट कॉम, वुड777 डॉट कॉम,पॉवर एक्स्चेंज डॉट कॉम के माध्यम से मास्टर आई.डी. बनाकर एवं आई.डी. वितरण कर ऑनलाईन क्रिकेट सट्टा खेलना/खिलाना पाया गया, साथ ही उनके पास लाखों रूपये नगदी रकम भी बरामद किया गया। आरोपियों द्वारा ऑनलाईन सट्टा खेलने/खिलाने वालों को अलग-अलग ऑनलाईन बैटिंग साईट का मास्टर आई.डी. कमीशन बेस पर उपलब्ध कराते थे, जिसमें आरोपीगण अवैध रूप से लाभ अर्जित कर रहे थे। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नगदी रकम 17,00,000 रूपये, 07 नग मोबाईल फोन, 04 नग बैंक पासबुक, 01 बैंक चेकबुक।

सौर सुजला योजना से आत्म निर्भरता की ओर मजबूत कदम

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की किसान हितैषी योजनाएँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सौर सुजला योजना के माध्यम से सक्ती जिले के विकासखंड डभरा अंतर्गत ग्राम सकराली के किसान श्री अवध राम (पिता श्री साधु) के जीवन में सुखद परिवर्तन आया है। क्रेडा विभाग के माध्यम से उनके खेत में 3 एच.पी. क्षमता का सोलर सिंचाई पंप स्थापित किया गया। सोलर पंप की स्थापना से पूर्व वे डीजल पंप से सिंचाई करते थे, जिससे एक एकड़ भूमि की सिंचाई पर लगभग 10 हजार रुपये तक का व्यय होता था। डीजल की बढ़ती कीमत और पंप की अनियमितता के कारण वे वर्ष में केवल एक ही फसल ले पाते थे, जिससे आय सीमित रहती थी। योजना के अंतर्गत मात्र 10 हजार रुपये के अंशदान पर सोलर पंप स्थापित होने से डीजल पर होने वाला खर्च पूर्णत: समाप्त हो गया तथा सिंचाई की सुविधा नियमित और सुगम हो गई। परिणामस्वरूप अब वे वर्ष में दो फसल लेने में सक्षम हो गए हैं। वर्तमान में श्री अवध राम एक एकड़ भूमि में आलू एवं गेहूं तथा 40 डिसमिल भूमि में परवल की खेती कर रहे हैं, जिससे लगभग 90 हजार रुपये का लाभ होने की संभावना है। आगामी धान फसल से भी 60 से 70 हजार रुपये तक के मुनाफे का अनुमान है। इस प्रकार 1.4 एकड़ भूमि से उनकी वार्षिक आय लगभग 1.5 लाख रुपये तक पहुँचने की संभावना है।

हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम से 16 सप्ताह में अति कुपोषण से सामान्य श्रेणी में पहुंची हिमांशी

■ उसकी सक्रियता एवं भूख में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया और वह अति गंभीर कुपोषण श्रेणी से बाहर आ गई

रायपुर/ संवाददाता

राज्य शासन की पोषण संवर्धन पहल के तहत संचालित हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम ने एक और सकारात्मक परिणाम प्रस्तुत किया है। जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के मोहला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र मोहला-बी में पंजीकृत बालिका हिमांशी कोवाची, जो पूर्व में अति गंभीर कुपोषण श्रेणी में चिन्हित की गई थी, 16 सप्ताह के विशेष पोषण प्रबंधन के पश्चात अब सामान्य श्रेणी में आ गई है। प्रारंभिक स्वास्थ्य परीक्षण में हिमांशी का वजन मात्र 9.2 किलोग्राम दर्ज किया गया था, जो उसकी आयु के अनुरूप अत्यंत कम था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे तत्काल हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम अंतर्गत विशेष निगरानी में पंजीकृत किया गया। बालिका की माता श्रीमती कनक कोवाची ने डाइट कैलेंडर का नियमित पालन करते हुए बच्चे के आहार में दाल, हरी सब्जियां, अंडा एवं दूध जैसे पोषक तत्वों को शामिल किया। साथ ही पूरक पोषण आहार (टेक होम राशन) का समय पर उपयोग एवं स्वच्छता संबंधी सावधानियों को दिनचर्या में सम्मिलित किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा नियमित गृह भ्रमण, मासिक वजन मापन, स्वास्थ्य परीक्षण तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। 16 सप्ताह तक सतत निगरानी एवं समन्वित पोषण प्रबंधन के परिणामस्वरूप हिमांशी का वजन 9.2 किलोग्राम से बढ़कर 11.50 किलोग्राम हो गया। उसकी सक्रियता एवं भूख में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया और वह अति गंभीर कुपोषण श्रेणी से बाहर आ गई। यह उदाहरण दर्शाता है कि समय पर पहचान, अभिभावकों की सजगता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सतत निगरानी एवं टेक होम राशन जैसी पोषण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से कुपोषण की समस्या पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पाया जा सकता है।

महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों ने जूनियर व सीनियर वर्ग में 12 खेलों में दिखाया दम

आदिवासी अंचल की प्रतिभाओं को सरगुजा ओलंपिक से मिल रहा सशक्त मंच:रामविचार

■ जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक के समापन समारोह में शामिल हुए आदिम जाति विकास मंत्री

रायपुर/ संवाददाता

आदिम जाति विकास तथा कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में बलरामपुर में जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का समापन हुआ। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा बलरामपुर के स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय के खेल मैदान में 10 फरवरी से 12 फरवरी तक इसका आयोजन किया गया था। इस तीन दिवसीय आयोजन में खेल प्रतिभाओं

के उत्साह, कौशल और ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। राज्य में पहली बार आयोजित सरगुजा ओलंपिक ग्रामीण और शहरी खिलाड़ियों को अपनी क्षमता और खेल कौशल प्रदर्शित करने का अच्छा मंच प्रदान कर रहा है। इसके जिला स्तरीय आयोजन के समापन में बलरामपुर पहुंचे आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर उनका उत्साहवर्धन किया। वे शंकरगढ़ और बलरामपुर की टीमों के बीच हो रहे बालिका रस्साकसी प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचे और प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने तीरंदाजी प्रतियोगिता भी देखा और स्वयं तीरंदाजी में हाथ आजमाकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को शील्ड और मेडल प्रदान किए। सरगुजा ओलंपिक के जिला स्तरीय आयोजन के समापन के अवसर पर श्री नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि विकासखंड से लेकर जिला स्तर तक सरगुजा ओलंपिक का सुनियोजित एवं व्यवस्थित आयोजन सराहनीय है। सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच बन रहा है। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी अंचल के युवाओं को मिल रहे इस अवसर की महत्ता रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और आगे बढ़ने की दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने प्रतिभागी खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास कर संभाग एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।

संपादकीय

बांग्लादेश में अराजकता का दौर कब रूकेगा?

5 अगस्त 2024 से पड़ोसी बांग्लादेश में अराजकता का दौर अब भी जारी है। जेल में बंद बांग्लादेश के पूर्व मंत्री और अवामी लीग नेता रमेश चंद्र सेन की मौत हो गई है। उन्होंने देश के शीर्ष हिंदू नेताओं में गिना जाता था, जो शेख हसीना की सरकार में जल संसाधन मंत्री रहे चुके थे। पांच बार के सांसद सेन ने साल 2024 में अपना आखिरी चुनाव जीता था। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रथम आलो की रिपोर्ट के अनुसार, रमेश चंद्र सेन को 7 फरवरी शनिवार सुबह करीब 9.10 बजे तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सेन की मौत ने जेल में रखे गए अवामी लीग के सीनियर नेताओं और पूर्व मंत्रियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले दिनों एक और हिंदू युवक की निर्मम हत्या के बाद भारत में उसकी प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं का नरसंहार किसी को नहीं दिख रहा है। कुछ दिन पहले विश्व हिंदू परिषद ने देश भर में बांग्लादेश ने एक हिंदू युवक दीपूचंद्र दास की हत्या की हत्या के विरोध में व्यापक प्रदर्शन किए थे। इस दौरान कोलकाता स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के ऑफिस पर प्रदर्शन के दौरान वहां पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भी बरसाईं। इस प्रदर्शन बांग्लादेश सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया भी व्यक्त की थी। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि अब हर जगह भीड़तंत्र को हवा दी जा रही है। भीड़ चाहे जिसे अपराधी मानकर सजा ए मौत दे रही है। यह नैसर्गिक न्याय के भी विरूद्ध है, क्योंकि इसमें आरोपी को अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं मिलता। ऐसे में मामलों में किसी को जिम्मेदार ठहराना भी मुश्किल है। इस भीड़तंत्र को हर हाल में रोकना जरूरी है। सभी सरकारों और प्रशासन की यह संवै?धानिक जिम्मेदारी है कि वो अपने यहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और कानून के हिसाब से राज चलाएं ताकि सभी नागरिकों में सरकार के प्रति विश्वास कायम रहे। बताया जा रहा है रमेश चंद्र सेन को अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार के गिरने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर हत्या समेत तीन आरोप लगाए थे। अगस्त 2024 में सेन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं, जिसमें उनके हाथ रस्सी से बंधे हुए थे। शेख हसीना की सरकार के बाद अवामी लीग के नेता हमलों से बचने के लिए देश छोड़कर भाग रहे थे या गुप्त जगहों पर छिप रहे थे, उस दौरान सेन ने घर पर रहना चुना। उन्हें यकीन था कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है। बांग्लादेश में रमेश चंद्र सेन की मौत को लोगों ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए इस पर सवाल उठाए हैं। कुछ लोगों ने इसे हिरासत में हत्या बताया है। पांच टॉप अवामी लीग नेताओं की मौत हो चुकी है। ढाका के प्रदीप चौधरी ने फेसबुक पर लखा, मुझे पता है कि उनके बारे में बहुत सारी झूठी बातें फैलाई जाएंगी।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की भारत सिटी सोसाइटी में ऑन लाइन गेम्स की लत और वर्चुअल एवं एकाकी दुनिया में जी रही तीन नाबालिग बहनों की खुदकुशी की सिहरा देने वाली घटना को विरल मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस गंभीर घटना की भीतरी पर्तें जिस तरह से खुल रही है, वह इस बात की गंभीर चेतावनी है कि हमारा भावी समाज कैसा होगा? इस घटनाक्रम में एक एंगल परिवार में आंतरिक तनाव, एकाकीपन और आपसी संवादहीनता का भी आ रहा है, यदि ऐसा है तो भी यह चेतावनी भरा है कि महज पच्चीस साल बाद मानव समाज में आपसी रिश्ते कैसे और किस दिशा में संचालित होंगे।

(अजय बोकिल)

ऑनलाइन गेमिंग की लत और गाजियाबाद केस- संवेदना और संवाद गायब हुए तो कैसा होगा भावी समाज?

जिन तीन लड़कियों ने आधी रात के बाद बिल्डिंग से छलांग लगाकर अपनी जान दे दी, उनकी डायरी से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस 'बीटा जनरेशन' की सोच, समझ, प्राथमिकताएं और सपने क्या हैं? यथार्थ जगत से उनका कितना नाता है?

ये दुर्भाग्यपूर्ण मौतें केवल वर्चुअल वर्ल्ड में जीने का परिणाम है अथवा परिवारिक सहजीवन और परस्परता के तार-तार होने का बुरा संकेत है? युवा होती पीढ़ी की नजर में मुश्किल से मिले मनुष्य जीवन के क्या मायने हैं? कोरियन कल्चर (या किसी और कल्चर से भी) से प्रभावित होकर असमय जान गंवाने वाली तीनों लड़कियां समाज से लगभग पूरी तरह कट चुकी थीं या उन्हें काट दिया गया था। इसमें उनके परिजनों का भी दोष है। लेकिन जहां ऐसा नहीं है, वहां भी बच्चों की मानसिकता में बहुत ज्यादा फर्क नहीं है। चिंता की बात यही है कि भावी समाज किस बुनियाद पर टिका होगा? ऐसा समाज जो, संवेदना, संवाद और सहकार रहित हो, उसे मानव समाज में मुश्किल होगा। कहा जा रहा है कि भावी समाज अति डिजीटल समेकित समाज होगा, और भौतिक और आभासी समाज का हाईब्रिड होगा। आज अधिकांश बच्चे स्मार्ट फोन के चलते ऑन लाइन गेम्स के लती होते जा रहे हैं। भविष्य के बच्चे तो बचपन से ही स्मार्ट फोन से भी आगे एआई के गुलाम बन जाएंगे। जानकारों को आशंका है कि उनकी अपनी कल्पनाशक्ति, सोच, समझ और संवेदना धीरे-धीरे कुंद होने लगेगी। वो तंत्र, प्रौद्योगिकी और आभासी विश्व के गुलाम नागरिक बन जाएंगे। यूं संचार क्रांति के चलते भौतिक दूरियां मिटेंगी, लेकिन भावनात्मक नजदीकियां दूरियों में तब्दील हो जाएंगी। यानी लोग पास आकर भी दूर होते जाएंगे। ऐसा भावी समाज 'अलोन टुगेदर' यानी 'अकेले रहकर साथ रहने वालों' का होगा। दुर्भाग्य से आज मोबाइल स्मार्ट फोन बड़ो से भी ज्यादा बच्चों की लत में तब्दील हो रहा है। कई मांएं तो बच्चों को चुप कराने के लिए खुद ही अपना फोन बच्चों को खेलने के लिए दे देती है। आलम यह है कि बच्चा घर या स्कूल में ककहरा सीखने से पहले ही नेट चलाना सीख जाता है। मोबाइल या टैबलेट पर बच्चों का बढ़ता स्क्रीन उसे उस दुनिया का नागरिक अभी से बना रहा है, जो कम से कम सामाजिकता के जिंदा रहने की दृष्टि से कतई ठीक नहीं है। वाई-फाई पर चल रहे ट्रैफिक पर नजर रखने वाली डिवाइस हैप्पीनेट्ज कंपनी के सर्वे में पाया गया कि आज बच्चे इंटरनेट पर वो सब देख रहे हैं, जो उन्हें इस कच्ची उम्र में कतई नहीं देखना चाहिए। फिर चाहे वह यू-ट्यूब हो या फिर ऑन लाइन गेमिंग। इससे नई मानसिक समस्याएं पैदा हो रही है। हाल में हुई एक स्टडी बताती है कि एक बच्चे को जल्दी स्मार्टफोन दिया जाता है, उतनी ही जल्दी उसको मेंटल प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनेट पर बच्चे साइबर बुलीइंग, डेटा प्राइवेसी, इन्फॉर्मेशन लीक जैसी कई तरह की गलत एक्टिविटी की चपेट में आ रहे हैं। मां बाप को इसकी या तो जानकारी नहीं है या फिर वो जानकर भी अनजान हैं। हकीकत यह है कि स्मार्टफोन की लत के चलते कई बच्चे किसी भी काम पर सही ढंग से फोकस नहीं कर पाते। चुनिंदा बच्चे बहुत कुशाग्र हैं तो कई बच्चों की एकाग्रता लगातार घट रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2040 तक यानी मात्र 14 साल बाद ही वर्च्युअल रियलिटी यानी वीआर (आभासी

वास्तविकता) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का आपस में इतना घालमेल हो जाएगा कि उन्हें एक दूसरे से अलग करना मुश्किल होगा। वर्चुअल रियलिटी के साथ तेजी से बढ़ती मिक्स्ड रियलिटी यानी एमआर (मिश्रित वास्तविकता) तथा एक्सटेंडेड रियलिटी यानी ईआर (विस्तारित वास्तविकता) का तेजी से विस्तार भी इसमें शामिल हो जाएगा। जीवन के हर क्षेत्र में एआई की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण, अनिवार्य और निर्णायक हो जाएगी। एआई को 'सेकंड सेल्फ' यानी दूसरा स्वयं भी कहा जा रहा है। जबकि मेटावर्स एक गहन आभासी पर्यावरण होगा, लोग जिसके जरिए ही आपस में संवाद करेंगे। 'खूब गुजरेगी जब मिल बैठेंगे दीवाने दो' जैसे जुमले इतिहास की बात होंगे। हकीकत में लोग एक काल्पनिक और अव्यावहारिक दुनिया में ज्यादा जीएंगे। वर्चुअल समाज की अर्थव्यवस्था और सामाजिकता भी वर्चुअल ही ज्यादा होगा। प्रत्यक्ष संवाद और मिल बैठकर सुख दुख की बातें गुजरे जमाने की बात होगी। ज्यादातर लोग अपने में मगन होंगे। सब कुछ होते हुए भी कुछ नहीं होने का अवसाद बना रहेगा और जो आत्मघात तक बढ़ सकता है। ऐसी दुनिया में जीवित रहने के लिए लोगों में क्रिटिकल इमरसिव लिटरेसी (निर्णायक गहन साक्षरता) की दरकार होगी। भावी डिजीटल समाज में मानवीय रिश्ते इस बात से तय होंगे कि हम संवाद किस तरह करते हैं। सोशल मीडिया के रूप में आज हम यह देख ही रहे हैं, जो हमे सतत संवाद की अवस्था में उलझाए रखता है, लेकिन जिसकी विश्वसनीयता और प्रामाणिकता बहुत संदिग्ध है। उदाहरण के लिए किसी मर चुके व्यक्ति को उसके मेटा पर अनडिलीटेड अकाउंट पर बिना देखे-समझे जन्मदिन की बधाई देते चले जाना है। और ऐसा करने वाले पढ़े लिखे लोग ही होते हैं। ऐसा लगता है कि लोग किसी बात की गहराई और प्रामाणिकता की पुष्टि के परिश्रम को धता बता चुके हैं। दरअसल, 24×7 संपर्क और संवाद आपको जितना सक्रिय रखता है, उतना ही आपकी निजता के लिए घातक भी है और वक्त की बर्बादी भी। इससे अकेलापन बढ़ता है और मनुष्य को अवसाद की ओर ले जाता है। आने वाले वर्षों में यह प्रवृत्ति और बढ़ेगी। जीवन के कठोर सत्य को स्वीकार कर चुनौतियों से जूझने और संघर्ष का माद्दा घटता जाएगा। ऐसे में कौन कब सुसाइड कर ले या फिर अकारण किसी की हत्या कर दे, कहा नहीं जा सकता। ऐसे अपराधों की विवेचना और दंड के लिए भी हमे वर्तमान कानूनों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन करना होगा। इतना ही नहीं, रोमांटिक रिश्ते डेटिंग एप के जरिए ही होंगे। जज्बाती प्रेमपत्र तो अब वैसे भी अतीत की बात बन चुके हैं। सोशल मीडिया ही भावनाओं के इजहार का अहम माध्यम बन गया है। हाइपर कनेक्टेड विश्व लोगों की निजी जिंदगी को लगभग खत्म कर देगा। जिससे उद्वेलन बढ़ेगा। ज्यादातर लोग या तो अपने में मगन होंगे या फिर बेचैन और त्रस्त होंगे। अहम सवाल यह है कि क्या हम भावी पीढ़ी को इस अभिशाप से बचा सकते हैं अथवा ऐसी कोशिशों के बाद भी यह पीढ़ी उन दुष्परिणामों से बच पाएगी, जिसके खतरे हमे अभी से स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। कभी संयुक्त परिवार वाले भारतीय समाज में आपसी रिश्ते भी सगेपन तक सीमित हो गए हैं। ज्यादातर बच्चे अपने चचेरे ममेरे रिश्तेदारों को नहीं जानते या फिर बहुत औपचारिक संपर्क है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बचपन से ही अभिभावक ध्यान दें तो इस समस्या का कुछ तो निदान हो ही सकता है। गाजियाबाद की तीनो गर्ल्स का स्कूल से नाता टूट चुका था। वो पूरी तरह अकेली और आत्मकेन्द्रित हो गई थीं। भारतीय जीवन मूल्यों के बजाए वर्चुअल वर्ल्ड की कोरियाई जीवन शैली उन्हें सार्थक लगने लगी थी। भले ही असल में खुद कोरियाई लोग अपने जीवन से असंतुष्ट हों। बचपन में माता पिता के प्यार से वंचित उन लड़कियों ने स्मार्ट फोन पर ऑन लाइन गेमिंग और वर्चुअल दुनिया को ही जीवन का सच मान लिया था। उससे दूर जाना उनके लिए मृत्यु का वरण था, जो उन्होंने हकीकत में कर दिखाया। उनके दिमाग पर किसी और कब्जा हो चुका था। यही कारण था कि 80 फीट ऊंचाई से कूदने में भी जान जाने का डर नहीं लगा। मनोचिकित्सकों के अनुसार जब बच्चे ऑनलाइन गेम्स खेलते हैं या सोशल मीडिया पर रील्स देखते हैं तो उनके दिमाग में डोपामाइन हार्मोन का स्राव होता है। एकल परिवार होने और मां-बाप के कॅरियर और कमाई में व्यस्त होने से बच्चे ऐसी वर्चअल दुनिया की तरफ मुड़ जाते हैं, जहां से लौटने का रास्ता कम ही बचता है। गाजियाबाद वाली घटना में भी तीनों बहनों ने कमरे की दीवारों पर अलग-अलग कटिंग लगा रखी थीं। उसी कमरे में तीनों अधिकतर समय बिताती थीं। पिता ने उनका मोबाइल फोन छीनकर बेच दिया था। इससे वो बहुत आहत थीं। इसी साल भोपाल में 14 साल के एक बच्चे ने इसलिए फांसी लगा ली, क्योंकि उसके परिजनों ने उसे मोबाइल पर 'फ्री फायर' गेम खेलने से रोका था। इसी तरह केरल में भी एक नाबालिग लड़की जो मोबाइल पर कोरियन पॉप कल्चर से अत्यधिक प्रभावित थी, ने अकेलेपन से परेशान होकर खुदकुशी कर ली थी।ऑन लाइन गेम खेलने पर रोक लगाई गई है। लेकिन यह भी समस्या का आंशिक इलाज ही है। प्रौद्योगिकी के आक्रमण और विकास को रोक पाना मनुष्य के बस में है या नहीं, यही अब सबसे बड़ा सवाल है। और इस हमले की छाया में जो पीढ़ी जवान होगी, उसका सामाजिक जीवन क्या होगा, होगा भी या नहीं, यह प्रश्न भी कंपकंपी पैदा करने वाला है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

मशीन विवेक कहां से लाएगी? तकनीक आगे बढ़ेगी, पर फैसला इंसान ही करेगा

(देवेश त्रिपाठी)

विवेक एक ऐसा अद्वितीय मानवीय कौशल है, जिसका स्वचालन नहीं किया जा सकता, निकट भविष्य में तो बिल्कुल नहीं। कॉलेज के दिनों में मुझे मध्यकालीन अध्ययन के एक सेमिनार में शामिल होने का अवसर मिला। विषय था-ब्रिटिश कॉमन लॉ की उत्पत्ति। वहां मैंने जाना कि 14वीं सदी के इंग्लैंड में न्यायाधीश किस तरह संपत्ति से जुड़े विवादों का निपटारा करते थे। जब गवाहों के बयान आपस में टकराते और दस्तावेज अधूरे या अस्पष्ट होते थे, तब न्यायाधीश अपनी तार्किक क्षमता और विवेक का इस्तेमाल करके निर्णय लेते थे। उस सेमिनार की सीख आज भी मेरे काम आती है। वह मुझे पढ़ने, शोध करने और विश्लेषण करने वाली गहरी शिक्षा की अहमियत की याद दिलाती है।

मेरी कॉलेज की शिक्षा ने मुझे यह नहीं सिखाया कि 'क्या सोचना है', बल्कि यह सिखाया कि 'कैसे सोचना है'। तकनीकी प्रभुत्व वाली इस दुनिया में रणनीतिक और वित्तीय फैसले लेते समय यही नजरिया सबसे ज्यादा कारगर साबित होता है। आज जितनी भी बोर्डरूम चर्चा होती है, हरेक के केंद्र में एआई होता ही है। निस्संदेह एआई परिवर्तनकारी साबित होगा। फिर भी, बहुत कुछ ऐसा भी है, जो बिल्कुल नहीं बदलेगा। उनमें सबसे प्रमुख है इन्सानी विवेक। विवेक से मेरा तात्पर्य है-परस्पर विरोधी मूल्यों और मतभेदों के बीच मध्यस्थता करने की क्षमता; उन पहलुओं पर विचार करने का हुनर, जो अपने आप में महत्वपूर्ण तो हैं, पर जिन्हें एकसाथ पूरा नहीं किया जा सकता; और श्रेष्ठ विकल्प तक पहुंचने के लिए कई रास्तों पर विचार करने का कौशल। यह एक अद्वितीय मानवीय कौशल है।

हाल ही में, मेरा एक ग्राहक अपने व्यवसाय का एक हिस्सा बेचना चाहता था। उसके सामने दो विकल्प थे-या तो उस तेजी से बढ़ने वाली इकाई को बेच दिया जाए, जो अस्थिर थी व मुख्य कारोबार का केंद्र नहीं थी, या फिर उस धीमी गति से बढ़ने वाली इकाई को बेचा जाए, जो कंपनी के उद्देश्य और मिशन से अधिक मेल खाती थी। एआई आधारित विश्लेषण ने धीमी वृद्धि वाले व्यवसाय को बेचने की सिफारिश की। लेकिन मानवीय विवेक ने दूसरा रास्ता दिखाया कि उतार-चढ़ाव वाली इकाई को बेचें और दूसरी को बेहतर बनाएं।

हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि कौन-सा रास्ता सही साबित होगा, लेकिन मैं एआई के उत्तर की निश्चितता देखकर दंग रह गया। बेशक एआई पैटर्न पहचानने, कोड बनाने और भारी मात्रा में टेक्स्ट व डाटा को संकलित करने में सक्षम है। पर किसी को यह तय तो करना ही होता है कि विश्लेषण भरोसेमंद है या नहीं, उसके निहितार्थ क्या हैं और उस पर अमल करना समझदारी होगी या नहीं। यही वे जगहें हैं, जहां तकनीक नहीं, बल्कि मानव विवेक निर्णायक भूमिका निभाता है। पिछले वर्ष एक बोर्ड यह जानना चाहता था कि उसे एक व्यावसायिक सौदे के लिए कितनी बोली लगानी चाहिए। एआई ने एक ऐसी राशि सुझाई, जो मुझे कम लगी। फिर चर्चा हुई कि क्या सौदे की कीमत अधिक रखनी पड़ेगी। जैसा कि अपेक्षित था, जब कंपनी ने एआई द्वारा सुझाई कीमत का प्रस्ताव दिया, तो उसे निरस्त कर दिया गया। बाद में, अधिक कीमत की पेशकश स्वीकार कर ली गई और सौदा सफल रहा। सौदे को लेकर एआई मानवीय पहलुओं को नहीं समझ सका, जिसे मानवीय निर्णय ने बखूबी समझा। इसी वजह से मुझे संदेह है कि एआई जल्द मानवीय पहलुओं की बराबरी लेगा। उच्च शिक्षा और व्यवसाय में लोगों को विशेषज्ञता की तरफ धकेलने का चलन है। एआई इस दबाव को और बढ़ा देता है। आम सोच यह है कि अगर मशीनें सामान्य काम कर सकती हैं, तो इन्सानों को खास कामों पर ध्यान देना चाहिए। मेरा मानना है कि इसका उल्टा सच है। जैसे-जैसे नियमित विश्लेषण स्वचालित होता जाएगा, पेशेवरों को जो चीज अलग बनाएगी, वह होगी अलग-अलग क्षेत्र में चीजों को समझने की क्षमता, ऐसे पैटर्न देखना, जो विशेषज्ञ नहीं देख पाते, और सही फैसला लेना। नियुक्ति करते समय व्यावसायिक नेतृत्वकर्ता ऐसे लोगों की तलाश करते हैं, जो विश्लेषण करने, खुद को बदलने, नए कौशल सीखने और नई जानकारियों से लैस होने में तेजी से सक्षम हों।

सदन की घटनाओं से तार-तार होता राष्ट्रीय चरित्र

देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में मनमानियों का बाहुल्य होता जा रहा है। विधानसभाओं से लेकर लोकसभा तक में राष्ट्रीय चरित्र का निरंतर पतन हो रहा है। गुण्डागिरी का ऊपर उठता ग्राफ, अपशब्दों की बौछार और आक्रमण के लिए उन्मादी भीड के दृश्य किसी मवाली मंडी के मानिन्द सामने आ रहे हैं। हाथपाई, मारपीट और गालीगलौज से ऊपर उठकर प्राणघातक हमले तक बात पहुंच चुकी है। इन सबके मध्य अब महिलाओं को हथियार बनाकर राष्ट की सांस्कृतिक विरासत को भी नस्तनाबूत करने के लिए भी राजनैतिक दलों ने अब कमर कस ली है। संसद के अन्दर का वातावरण अब असुरक्षा के प्रदूषण से इतना भर गया है कि वहां पर सम्मान की सांसें लेने में बेहद कठिनाई होने लगी है।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

सभापति का पद भी निर्विघ्न रूप से कीचड उछाला जाता रहा है। राज्यपाल से लेकर राष्टपति तक की संवैधानिक गरिमा पतन के गर्त में पहुंचती जा रही है। मतभेदों की वैचारिक भिन्नता अब मनभेद का संघर्ष बन चुका है। संसद के बाहर षडयंत्र करने वाले अब अन्दर का सम्मान भी मिट्टी में मिलाने पर तुल गये हैं। ढीठता की चरम सीमा पर पहुंचने वाले अनेक राजनेताओं का नंगा नाच अब सडकों पर भी मनोरंजन का कारक बनता जा रहा है। खतरनाक आपराधिक घटनाओं में आरोपी बने लोग जब संसद में जनप्रतिनिधि बनकर पहुंचेंगे, तो उनकी मानसिक गंदगी से वहां भी गैगवार जैसी स्थितियां पैदा होना स्वाभाविक ही है। राजनैतिक दलों में बाहुबलियों, भीडबलियों, धनबलियों, गैगबलियों सहित माफियों को बेधडक सम्मान देने की परम्परा अब बेहद तेजी से आगे बढ रही है। आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की दहशत को लोकप्रियता का नया मापदण्ड माना जाने लगा है। घोटालेबाजों की सम्पत्ति ही उन्हें प्रतिष्ठा के नये सोपान तय करा रही है। माफियों के गिरोहों की दखलंदाजी अब कार्यपालिका के दफ्तरों से लेकर सदन के अन्दर तक हो चुकी है। नियम, कानून, व्यवस्था जैसे शब्द केवल निरीह लोगों पर ही कहर बनकर टूट रहे हैं। देश का नाम दुनिया के भाल पर भले ही चमकता दिख रहा हो परन्तु अन्दर के हालातों को विस्फोटक बनाने में लगे उत्तरदायी लोगों के समूह अब आत्मघाती दस्ते बनकर विदेशी षडयंत्र को अमली जामा पहनाने में तेजी से जुट गये हैं। साइबर युग में अतीत की इबारत से लेकर वर्तमान के क्रियाकलापों तक का आइना खुलकर सामने आ चुका है। ऐतिहासिक घटनाओं को विकृत करके इतिहास लिखवाने वालों तक को पोल खुल चुकी है। सत्य को झुठलाकर षडयंत्र को विकसित करने वालों ने लम्बे समय तक देश को अंधकार में रखा और राज्य किया। गुलामी की आदतों में जकडे नागरिकों को शाब्दिक स्वतंत्रता का सब्जबाग दिखाकर गोरों ने केवल सत्ता के चेहरों को ही बदला था। सब कुछ यथावत ही रहा था। चन्द लोगों के द्वारा स्वीकार की गई अंग्रेजियत को समूचे देश पर थोपा गया। विलायती संस्कृति के आगे परम्परागत संस्कारों को दास बना दिया गया। शिक्षा से लेकर चिकित्सा तक, न्यायालयों से लेकर संस्थानों तक और धरती से लेकर आसमान तक पाश्चात्य की जडें मजबूत करने की षडयंत्रकारी योजनायें आज दावानल बनकर देश को निगल रहीं है। लोकतंत्र के मंदिर को भी देश के अन्दर बैठे मीरजाफरों की फौज विखण्डित करने पर तुली है। उदाहरण के तौर पर देखें तो विगत 26 अगस्त 2006 को लोकसभा में हुई जेडीयू और आरजेडी के मध्य हाथापाई

हुई। विगत 24 नवंबर 2009 को राज्यसभा में अमर सिंह और अहलूवालिया के मध्य हाथापाई हुई। विगत 5 सितंबर 2012 को राज्यसभा में बीएसपी सांसद अवतार सिंह और एसपी सांसद नरेश अग्रवाल के मध्य हाथापाई हुई। विगत 13 फरवरी 2014 को हुए झगड़े ने अध्यक्ष को कक्ष से भागने पर मजबूर कर दिया और कई सांसदों को अस्पताल ले जाया गया। इस घटना में प्रदर्शनकारी सांसद ने विरोधियों पर मिर्च स्प्रे फेंका था। कांच की मेज को तोड़ा माइक्रोफोन का तार तोड़ दिया था। विगत जनवरी 1988 को एमजी रामचंद्रन की विधवा जानकी के समर्थकों तथा जे. जयललिता के समर्थकों के मध्य हाथापाई हुई जिसमें 20 विधायकों को चोटें आईं थीं तथा 100 से अधिक माइक टूट गए और कई कुर्सियां क्षतिग्रस्त हो गईं। विगत 26 मार्च 1989 को तमिलनाडु विधानसभा में जयललिता पार्टी के सदस्यों और करुणानिधि के डीएमके के विधायकों के बीच हिंसा भड़क उठी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में विगत 16 दिसम्बर 1993 को सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच हुई हाथापाई में अध्यक्ष केसरी नाथ त्रिपाठी सहित 33 विधायक घायल हो गए थे। यहीं पर 21 अक्टूबर 1997 को फिर आक्रामण की घटना हुई जिसमें लगभग 50 सदस्य घायल हो गए थे। इस घटना में माइक्रोफोन स्टैंड, पेपरवेट, कांच के टुकड़े और फर्नीचर का खुलकर प्रयोग हुआ था। इसी तरह 14 सितंबर 2007 को कांग्रेस विधायक भीष्म शर्मा ने भाजपा के मुख्य सचेतक साहब सिंह चौहान पर शारीरिक हमला किया था। पश्चिम बंगाल विधानसभा के बाहर 11 दिसंबर 2012 को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के विधायकों के बीच हाथापाई हुई। तमिलनाडु विधानसभा में भी 2013 में मुक्केबाजी हुई। केरल के विधायकों ने 13 मार्च 2015 में तोड़ीं कुर्सियां, माइक फेंके और मेजों पर चढ़ गए। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में 28 अगस्त 2015 को कांग्रेस और विपक्षी भाजपा विधायकों के बीच मारपीट हुई। तमिलनाडु में 18 फरवरी 2017 को तमिलनाडु विधानसभा में राज्य विधायकों द्वारा हिंसा और बर्बरता की घटनाएं हुईं। गुजरात विधानसभा विगत 14 मार्च 2018 को प्रश्नकाल के बाद कांग्रेस और भाजपा विधायकों ने एक-दूसरे पर थप्पड़ और लात-घूंसे बरसाए, माइक्रोफोन भी तोड़े। हरियाणा विधानसभा में 11 सितंबर 2018 को विपक्ष के नेता और इंडियन नेशनल लोकदल के विधायक अभय चौटाला और कांग्रेस विधायक करण सिंह दलाल के बीच अभूतपूर्व लड़ाई देखी गई। बिहार विधानसभा में 24 मार्च 2021 को विपक्षी विधायकों के विरोध के कारण सदन में अभूतपूर्व हंगामा हुआ जिसके बाद स्पीकर के कक्ष की घेराबंदी करने वाले विधायकों को बाहर निकालने के लिए पुलिस को बुलाना पडा। कर्नाटक विधानसभा में 16 फरवरी 2022 को सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के बीच हाथापाई हुई। पश्चिम बंगाल विधानसभा में 24 मार्च 2022 को बजट सत्र हाथापाई के साथ समाप्त हुआ जिसमें विधानसभा में टीएमसी और भाजपा विधायकों के बीच हुई मारपीट हुई। महाराष्ट विधानसभा में विगत 1 मार्च 2024 को विधान भवन के गलियारे में बड़ी हाथापाई हुई। जम्मू कश्मीर विधानसभा में 7 नवंबर 2024 को विधायकों के बीच हाथापाई हुई और अभी हाल ही में देश की राजधानी का सदन प्रधानमंत्री पर हमले को आमादा विपक्ष की महिला सांसदों की घटना का गवाह बना। यह तो मात्र बानगी है, वास्तविक आंकडे तो इससे कहीं बहुत अधिक हैं। ऐसी घटनायें ही देश के राष्ट्रीय

पुलों के जाल से बदली कांकेर की तस्वीर, 100 गांवों को मिला बारहमासी संपर्क

कांकेर। कभी बरसात में कट जाने वाले रास्ते और दूर-दराज बसे गांव अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं। पिछले दो वर्षों में जिले में हुए तेज़ पुल निर्माण कार्यों ने कांकेर की तस्वीर बदल दी है। अब लगभग 100 गांवों की 80 हजार से अधिक आबादी का ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय से सीधा और बारहमासी संपर्क स्थापित हो गया है। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने बताया कि सेतु निर्माण विभाग द्वारा 61.50 करोड़ रुपये की लागत से 15 पुलों का निर्माण पूर्ण किया गया है। इन निर्माण कार्यों से माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास गतिविधियों को नई गति मिली है और आम जनजीवन पहले से अधिक सुगम हुआ है। शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, पर्यटन एवं सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को भी मजबूती मिली है।कार्यपालन अभियंता सेतु निर्माण विभाग अधिकारी राजेश सोनकर ने जानकारी दी कि शासन द्वारा 85 करोड़ रुपये की लागत से 9 नए बड़े पुलों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें बासनवाही-टांहकापार मार्ग पर महानदी पर 28 करोड़ रुपये की लागत से पुल तथा सोनपुर-मरोड़ा मार्ग पर कोटरी नदी पर 15.50 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इन पुलों के पूर्ण होने से दूरस्थ एवं माओवाद प्रभावित क्षेत्रों का सीधा संपर्क स्थापित होगा।

अधिकारियों के अनुसार, यह निर्माण कार्य न केवल आवागमन को सुगम बना रहे हैं, बल्कि जिले के सर्वांगीण विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

महिला आईटीआई में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कांकेर। जिले में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं युवाओं को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) कांकेर में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल राखेचा के निर्देशन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, फर्जी लॉटरी एवं जॉब ऑफर, यूपीआई फ्रॉड तथा बैंकिंग धोखाधड़ी जैसे साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। डिजिटल प्लेटफॉर्म का सुरक्षित उपयोग करने, मजबूत पासवर्ड रखने, किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने तथा अपनी व्यक्तिगत एवं बैंक संबंधी जानकारी साझा न करने की समझाइश दी गई। अधिकारियों ने बताया कि साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या पोर्टल पर शिकायत दर्ज https://cyber-crime.gov.in कराएं। कार्यक्रम में डिजिटल साक्षरता, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग एवं सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। के माध्यम से व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत कर छात्राओं को जागरूक किया गया।कांकेर पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि ऑनलाइन लेनदेन के दौरान सतर्कता बरतें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, योगेश साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ए पी एस कांकेर के मार्गदर्शन में गिरजा शंकर साव सहित साइबर सेल की टीम एवं संस्था का स्टाफ उपस्थित रहा।

ताड़पाला पहाड़ी में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, विस्फोटक और नक्सली सामग्री बरामद

13 आइईडी डिफ्यूज, माओवादी स्मारक भी गिराया गया

बीजापुर। जिले में एन्टी नक्सल अभियान के तहत उसूर थाना क्षेत्र के ताड़पाला पहाड़ी इलाके में सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन चलाकर बड़ी मात्रा में विस्फोटक और नक्सली सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई केरिपु 196 वाहिनी और कोबरा 204 की संयुक्त टीम ने की।तलाशी के दौरान जवानों को दो अलग-अलग जगहों पर जमीन के भीतर प्लास्टिक ड्रम और पॉलिथिन में छिपाकर रखी गई सामग्री मिली। बरामद सामान में 13 डेटोनेटर, करीब 11 किलो गन पाउडर, चार प्लास्टिक ड्रम, दो स्टील ड्रम और दो लोहे के ड्रम शामिल हैं। साथ ही माओवादी वर्दी, जूते, कैप, डोरी, यूएसबी केबल, सोलर प्लेट और अन्य उपयोगी सामान भी जब्त किया गया।एरिया डॉमिनेशन और डिमाइनिंग के दौरान जवानों ने जमीन में लगाए गए 13 बीयर बोतल आईईडी और लोहे के पाइप में तैयार एक डायरेक्शनल आईईडी बरामद किया। सभी विस्फोटकों को मौके पर ही डिफ्यूज कर दिया गया। अभियान के दौरान टेकमेटला कुंजामपारा इलाके में बनाया गया माओवादी स्मारक भी सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया।

मोदकपाल इलाके में सुरक्षा बलों की कार्रवाई, छह माओवादी स्मारक ध्वस्त

पंगुड़ गांव में चलित थाना लगाकर सुनी गई ग्रामीणों की समस्याएं, साइबर ठगी से बचाव की दी जानकारी

बीजापुर। थाना मोदकपाल क्षेत्र के ग्राम पंगुड़ में सुरक्षा बलों ने अभियान चलाकर माओवादियों के छह स्मारकों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई थाना मोदकपाल पुलिस और सीआरपीएफ की बी/62 वाहिनी की संयुक्त टीम ने की।अभियान के दौरान गांव में चलित थाना भी लगाया गया, जहां पुलिस ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतें सुनीं और समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। पुलिस ने कहा कि ऐसे प्रयासों से पुलिस और ग्रामीणों के बीच विश्वास मजबूत होता है।साथ ही साइबर जागरूकता अभियान के तहत ग्रामीणों को ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, ओटीपी ठगी और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई।मोदकपाल थाना टीआई आकाश मसीह ने बताया कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याएं सुनना और उनका त्वरित समाधान करना भी पुलिस की प्राथमिकता है, ताकि आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा बना रहे। कार्रवाई के दौरान गांव में उत्साह का माहौल रहा। ग्रामीणों ने ÷भारत माता की जय÷ के नारे लगाकर सुरक्षा बलों का हौसला बढ़ाया। पुलिस के अनुसार, यह कदम इलाके में शांति और सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

विकसित भारत गारंटी अंतर्गत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) पर कार्यशाला व जागरूकता सम्मेलन आयोजित

कांकेर। विकसित भारत गारंटी के तहत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने तथा ग्रामीणों को इसके प्रावधानों और अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जनपद पंचायत कांकेर अंतर्गत ग्राम पंचायत भीरवाही में कार्यशाला एवं जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 से प्रत्येक पंजीकृत श्रमिक को प्रतिवर्ष 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित किया जाएगा। योजना का उद्देश्य ग्रामीण मजदूरों को न्यूनतम आय सुरक्षा प्रदान करना, बेरोजगारी एवं पलायन पर नियंत्रण तथा आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। डिजिटल पारदर्शिता को बढ़ावा देते हुए हितग्राही क्यूआर कोड स्कैन कर अपने कार्यों की प्रगति की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कांकेर आशाराम नेताम ने कहा कि शासन की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासन का समन्वय आवश्यक है। इस अवसर पर पूर्व सांसद मोहन मंडावी, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियार, पूर्व विधायक सुमित्रा मार्कोले, जनपद अध्यक्ष पूर्णिमा कावड़े, उपाध्यक्ष तारुणी ठाकुर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे ग्रामीणों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

सरस्वती सम्मान से सम्मानित होंगे पाणिग्रही

जगदलपुर। 21 फरवरी 2026 को विमतारा ऑडिटोरियम,शांति नगर रायपुर में सरस्वती साहित्य महोत्सव का वृहद आयोजन किया जा रहा है द्य इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के साहित्यिक विभूतियां को सम्मानित किया जाएगा द्य इस साहित्य महोत्सव में जगदलपुर के वरिष्ठ साहित्यकार रुद्र नारायण पाणिग्राही को सरस्वती सम्मान से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है, यह सम्मान आंचलिक साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जाएगा द्य ज्ञात हो कि यह साहित्य महोत्सव सरस्वती प्रकाशन भिलाई तथा साईनाथ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है द्य छत्तीसगढ़ के उक्त ग्रुप के द्वारा कला साहित्य व संगीत के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए प्रतिवर्ष लोगों को सम्मानित करती आ रही है इस वर्ष सरस्वती साहित्य सम्मान 2026 का रुद्र नारायण पाणिग्रही वरिष्ठ लेखक व इतिहासकार को प्रदान किया जाएगा द्य उक्त कार्यक्रम में परिचर्चा के दो सत्र तथा ओपन माइक कार्यक्रम भी शामिल है।

अनुकम्पा नियुक्ति के आदेश जारी, नक्सल पीड़ित परिवारों को मिला सहारा

पुनर्वास नीति-2025 के तहत शासकीय सेवा में मिली नियुक्ति, कई अभ्यर्थी चतुर्थ श्रेणी पदों पर पदस्थ

बीजापुर। छत्तीसगढ़ शासन की नक्सलवाद आत्मसमर्पण, पीड़ित, राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत पुनर्वास कार्ययोजना को आगे बढ़ाते हुए जिला प्रशासन ने नक्सल पीड़ित परिवारों के सदस्यों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की है। जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की अनुशंसा के आधार पर यह नियुक्तियाँ की गई, जिन्हें प्रभावित परिवारों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। कार्यालय कलेक्टर, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, जिला बीजापुर द्वारा जारी आदेश के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को चतुर्थ श्रेणी के विभिन्न पदों पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से पदस्थ किया गया है। जारी सूची के मुताबिक कुमारी गीता मुड़मा को भृत्य के पद पर तहसील कार्यालय बीजापुर में नियुक्त किया गया है। नरेन्द्र कुमार तामड़ी और कुरसम नागेश को तहसील कार्यालय भोपालपटनम में भृत्य बनाया गया है। आशा मोड़ियम को फर्राश के पद पर तहसील कार्यालय बीजापुर में पदस्थ किया गया है। इसी तरह समीर गर्ग को प्रोसेस सर्वर के पद पर तहसील कार्यालय बीजापुर तथा विनोद कुरसम को प्रोसेस सर्वर के पद पर तहसील कार्यालय भोपालपटनम में नियुक्ति दी गई है। दिनेश कुमार वाचम और लेकाम अशोक को जिला कार्यालय बीजापुर में चौकीदार बनाया गया है, जबकि कोवासी लक्ष्मण को तहसील कार्यालय बीजापुर में चौकीदार के पद पर पदस्थ किया गया है। प्रशासन का मानना है कि पुनर्वास नीति के तहत दी गई ये नियुक्तियाँ प्रभावित परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने के साथ ही उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में अहम पहल साबित होंगी।

महाशिवरात्रि पर्व में रंगेगा गोबरहीन केशकाल, विशाल मेले की तैयारियां

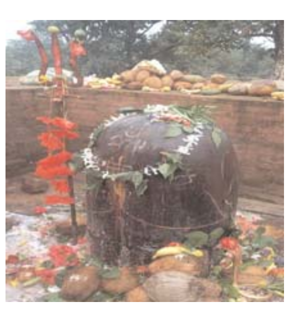

केशकाल। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर गोबरहीन स्थित प्राचीन शिवधाम में इस वर्ष भी भव्य आयोजन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। केशकाल से लगभग 2 किमी दूर बटराली मार्ग से 3 किमी भीतर स्थित यह स्थल ऋषि मारकण्डेय मुनि की तपोभूमि के रूप में प्रसिद्ध है। मान्यता है कि यहां स्थापित विशाल शिवलिंग भगवान शिव और मुनि के बीच हुई तपस्या एवं शर्त के कारण विस्तृत हुआ था।किवदंतियों के अनुसार यह शिवलिंग इतना विशाल है कि श्रद्धालु इसे अपनी भुजाओं में भरने का प्रयास करते हैं। अमरकंटक के ÷छोटे हाथी÷ की तरह इसे पार करना सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। क्षेत्र में नलवंशी-नागवंशी काल के अति प्राचीन शिवधामों की ऐतिहासिक झलक भी यहां देखने को मिलती है। महाशिवरात्रि पर 15 फरवरी, रविवार को ब्रह्ममुहूर्त से सूर्यास्त तक दर्शन-पूजन, भजन-कीर्तन, मानस गान और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। गोबरहीन-गढ़धनौरा सहित निराछिंदली नारना, बड़े खौली, बड़े ओड़ागांव, भोंगापाल, पावड़ा और गारका आदि ग्रामों में भी मेले जैसा माहौल रहेगा।यह प्राचीन स्थल 5वीं-6वीं शताब्दी के पुरावशेषों के बीच स्थित है, जहां कुल 11 मंदिर अवशेष मौजूद हैं। बड़े शिवलिंग के दर्शन के पश्चात यादव समाज के कृष्ण मंदिर तथा अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालु दर्शन करते हैं। स्थानीय जनश्रुति के अनुसार एक प्राचीन मंदिर में भगवान विष्णु की विशाल पाषाण प्रतिमा थी, जिसे सोने का बताया जाता है। चोरी के प्रयास में मूर्ति को न उठा पाने पर चोरों द्वारा उसके स्वर्ण हाथ काट दिए जाने की कथा आज भी क्षेत्र में प्रचलित है। इसका एक अंश पंचायत भवन में सुरक्षित होने की बात कही जाती है।यहां स्थित 'जोड़ा लिंग' शिव-शक्ति के संयुक्त स्वरूप के रूप में प्रसिद्ध है। बड़े खौली में शिवरात्रि के साथ वार्षिक ग्राम मेला भी आयोजित होता है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु शामिल होते हैं।बस्तर पुरातत्व समिति के अध्यक्ष घनश्याम सिंह नाग एवं सचिव लोकेश गायकवाड़ ने बताया कि वर्ष 1990 से लगातार 36 वर्षों से यह मेला आयोजित हो रहा है। उन्होंने इसे ÷महाशिवरात्रि महोत्सव÷ का स्वरूप देने की मांग प्रदेश के मुख्यमंत्री, पर्यटन मंत्री, सांसद एवं क्षेत्रीय विधायक नीलकंठ टेकाम से की है।महाशिवरात्रि पर गोबरहीन-केशकाल क्षेत्र एक बार फिर शिवमय वातावरण में रंगने को तैयार है, जहां आस्था, इतिहास और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को ।

मेड़ो में जनसमस्या निवारण शिविर, 58 आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई

कांकेर। दुर्गकोंदल विकासखंड के ग्राम मेड़ो में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित 58 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। शिविर में ग्रामीणों ने सड़क, पुल, आवास, राशन, पेंशन एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं। प्रशासन द्वारा त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया गया।

इस दौरान दुर्गकोंदल से कोयलीबेड़ा मार्ग में तीन उच्च स्तरीय पुलों की स्वीकृति की जानकारी दी गई, जिससे वर्षा ऋतु में भी सुगम एवं सुरक्षित आवागमन संभव होगा। इसके अलावा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि माओवाद प्रभावित क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है तथा आमजनों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी, कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, प्रशिक्षु आईपीएस प्रतीक बनसोड़े, एडीएम भानुप्रतापपुर जीडी वाहिले, जिला पंचायत सदस्य देवेलाल नरेटी एवं देवेंद्र टेकाम, जनपद सदस्य हेमलता उईके तथा ग्राम सरपंच रश्मिला कोमरा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी का कोंटा क्षेत्र के विद्यालयों में आकस्मिक निरीक्षण, गुणवत्ता सुधार पर विशेष जोर

कोंटा। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विकासखंड कोंटा अंतर्गत विभिन्न शालाओं एवं संकुल केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हाई स्कूल भेजी, प्राथमिक शाला भेजी (संकुल केंद्र भेजी), प्राथमिक शाला बोदराजपदार, प्राथमिक शाला वांकापारा (गच्तनपल्ली), संकुल केंद्र बुर्कालंका, प्राथमिक शाला डब्बाकोंटा, प्राथमिक शाला कोलाईगुड़ा, प्राथमिक शाला एलाडमडगु (संकुल केंद्र डब्बाकोंटा), प्राथमिक शाला गोरख, माध्यमिक शाला गोरख तथा अंत में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कोंटा का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया और उनके शैक्षणिक स्तर का आकलन किया। गणित, हिंदी एवं अंग्रेजी विषयों में विद्यार्थियों की आधारभूत दक्षताओं की जांच की गई। इसके साथ ही विद्यालयों की उपस्थिति पंजी, नामांकन स्थिति, मध्यान्ह भोजन योजना, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल एवं शौचालय की स्थिति का भी बारीकी से अवलोकन किया गया।संकुल केंद्रों में शैक्षणिक मॉनिटरिंग व्यवस्था, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति तथा विद्यार्थियों के अधिगम स्तर की सतत समीक्षा पर विशेष जोर दिया गया। जिन विद्यालयों में कमियां पाई गईं, वहां आवश्यक सुधार के निर्देश देते हुए समयबद्ध प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कोंटा में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं, स्मार्ट कक्षाओं एवं नवीन शिक्षण पद्धति का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों को संसाधनों का समुचित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा, ÷शिक्षा की गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रत्येक विद्यालय में अनुशासन, नियमित पठन-पाठन और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आकस्मिक निरीक्षण से विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों में और अधिक सक्रियता तथा गुणवत्ता सुधार की अपेक्षा व्यक्त की जा रही है।

कुचनूर कोरंडम खदान को मिली पर्यावरण स्वीकृति, खनिज विभाग ने दी सफाई

3.70 हेक्टेयर क्षेत्र में उत्खनन की अनुमति, नियमों के पालन का दावा

बीजापुर। भोपालपटनम ब्लॉक के ग्राम कुचनूर स्थित कोरंडम खदान को लेकर सामने आ रहे सवालों पर जिला खनिज अधिकारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्थिति स्पष्ट की है। विभाग ने कहा है कि खदान को तय प्रक्रिया के तहत वैध पर्यावरण स्वीकृति मिल चुकी है और सभी औपचारिकताएं पूरी की गई हैं।जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ शासन के खनिज साधन विभाग ने 2 फरवरी 2021 को जारी आदेश के माध्यम से छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएमडीसी) को तहसील भोपालपटनम, वनमंडल बीजापुर के कक्ष क्रमांक 560 (नया कक्ष क्रमांक 826) में 3.70 हेक्टेयर क्षेत्र पर कोरंडम खनिज के उत्खनन की अनुमति दी थी। विभाग ने यह भी बताया कि 25 मार्च 2011 को ग्राम पंचायत रुद्रारम और जनपद पंचायत भोपालपटनम ने खदान संचालन के लिए सर्वसम्मति से अनापत्ति प्रस्ताव पारित किया था।पर्यावरण नियमों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया गया कि 5 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र या क्लस्टर खदानों के लिए जनसुनवाई अनिवार्य होती है। चूंकि यह खदान 5 हेक्टेयर से कम क्षेत्र में है और किसी क्लस्टर का हिस्सा नहीं है, इसलिए जनसुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, रायपुर ने 20 दिसंबर 2025 को EIA Notification 2006 के प्रावधानों के तहत श्वष्ट Identification No. EC25C0108CG5605160N जारी कर पर्यावरण स्वीकृति प्रदान कर दी है। खनिज विभाग के अनुसार खदान से जुड़े सभी कार्य स्वीकृत शर्तों और नियमों के अनुरूप संचालित किए जा रहे हैं।

न्यू एरा पब्लिक स्कूल के हाई-टेक भवन का भव्य उद्घाटन, मंत्री रामविचार नेताम रहे मुख्य अतिथि

बलरामपुर। रामानुजगंज स्थित न्यू एरा पब्लिक स्कूल में नवनिर्मित हाई-टेक भवन का भव्य उद्घाटन समारोह उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति कल्याण, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में जनपद अध्यक्ष मुद्रिका सिंह, मंडल अध्यक्ष सीताराम गुप्ता, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष बी.डी. लाल गुप्ता, मंडल महामंत्री सिद्धांत यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष तारावती सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। विद्यालय के फाउंडर मेंबर भरत प्रसाद गुप्ता एवं राजेश कुमार गुप्ता, बोर्ड सदस्य वीरेंद्र ठाकुर, वीरेंद्र कुशवाहा और विवेकानंद श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए।कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के आगमन पर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत से हुई। विद्यालय के डायरेक्टर राकेश कुमार गुप्ता ने उनका आत्मीय स्वागत किया। तत्पश्चात शिक्षकों द्वारा पुष्प अर्पित कर अभिनंदन किया गया। पूजन-अर्चन के उपरांत मुख्य अतिथि ने स्मार्ट क्लास कक्ष का अवलोकन किया। इस दौरान रोहित सेवटा ने डिजिटल पैनल एवं स्मार्ट क्लास की उपयोगिता और आधुनिक शिक्षा में उसकी भूमिका की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार विभिन्न शैक्षणिक मॉडल एवं प्रोजेक्ट का निरीक्षण कर उनकी सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यालय के पूर्णतः डिजिटल एवं आधुनिक भवन की प्रशंसा करते हुए कहा कि तकनीकी संसाधनों से युक्त शिक्षा आज समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार, अनुशासन और परिश्रम के साथ निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में मंत्री रामविचार नेताम को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। प्राचार्य चंदन कुमार ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन अजय जारवाल ने किया। समारोह को सफल बनाने में विद्यालय परिवार की सक्रिय भूमिका रही।

विश्व रेडियो दिवस पर शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित, विद्यार्थियों को दी गई रोचक जानकारी

रामानुजनगर। विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर माध्यमिक शाला पतरपाली में विशेष जागरूकता एवं शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रेडियो के महत्व, इतिहास और उपयोगिता से अवगत कराना तथा आधुनिक दौर में घटती लोकप्रियता के बावजूद इसकी प्रासंगिकता को समझाना था।कार्यक्रम में शिक्षक योगेश साहू ने रेडियो के आविष्कारक गुग्लिएल्मो मार्कोनी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने भारत में रेडियो प्रसारण की शुरुआत और सूचना क्रांति में इसकी ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रेडियो सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों में भी शिक्षा, समाचार और मनोरंजन का सशक्त माध्यम रहा है तथा आपातकालीन परिस्थितियों में आज भी इसकी उपयोगिता बनी हुई है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित 67 विद्यार्थियों में से 13 विद्यार्थियों ने बताया कि उन्होंने आज तक वास्तविक रेडियो नहीं देखा है। इस पर शिक्षक ने घोषणा की कि आगामी सोमवार को विद्यालय में रेडियो लाकर विद्यार्थियों को उसका प्रत्यक्ष अनुभव कराया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानपाठक के.के. यादव, महेंद्र पटेल, रघुनाथ जायसवाल, सरिता सिंह सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम से विद्यार्थियों में पारंपरिक संचार माध्यमों के प्रति नई रुचि जागृत हुई।

पीएम श्री सेजेस जयनगर के विद्यार्थियों का शैक्षणिक एक्सपोजर विजिट आयोजित

सूरजपुर। पीएम श्री सेजस जयनगर के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसएमडीसी अध्यक्ष श्री शांतनु सिंह एवं सदस्यों श्री देवशरण सिंह, श्री विनोद कुमार बिंझिया तथा श्रीमती परमजीत कौर द्वारा हरी झंडी दिखाकर बस रवाना कर किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने आकाशवाणी केंद्र, अंबिकापुर का दौरा किया, जहां वरिष्ठ अभियंता अरुण श्रीवास्तव ने केंद्र की कार्यप्रणाली, प्रसारण प्रक्रिया तथा इंजीनियरिंग व सांस्कृतिक विभागों के कार्यों की जानकारी दी। विद्यार्थियों को रिकॉर्डिंग, एडिटिंग एवं ट्रांसमीटर के माध्यम से कार्यक्रम प्रसारण की तकनीकी प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों को स्वच्छता पार्क का भ्रमण कराया गया, जहां स्वच्छता प्रभारी सिकंदर राम ने वेस्ट मटेरियल से उपयोगी वस्तुएं बनाने की प्रक्रिया समझाई। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं तकनीकी दृष्टि से उपयोगी रहा।

14 मार्च को वर्ष की पहली नेशनल लोक अदालत, त्वरित निपटारे पर जोर

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के तत्वाधान में वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को किया जाएगा। इस संबंध में जिला न्यायालय परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक माननीय अध्यक्ष प्रधान जिला न्यायाधीश विनीता वार्नर एवं सचिव पायल टोपनो के निर्देशन में तथा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति ओम प्रकाश सिंह चौहान के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। अध्यक्षता व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी सतीश कुमार खाखा ने की।बैठक को संबोधित करते हुए व्यवहार न्यायाधीश श्री खाखा ने नगर पंचायत, विद्युत विभाग, दूरसंचार विभाग एवं बैंक प्रबंधकों से बकाया राशि के मामलों में ब्याज व जुर्माने में वास्तविक एवं प्रभावी छूट प्रदान करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन स्तर के मामलों को अधिक से अधिक संख्या में चिन्हित कर शीघ्र प्रस्तुत किया जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा मामलों का त्वरित और सौहार्दपूर्ण निराकरण संभव हो सके।बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, सभी थानों के थाना प्रभारी तथा पैरा लीगल वालंटियर उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु सभी संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

महामाया ओसीपी परियोजनाः प्रभावितों के पुनर्वास हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

सूरजपुर। एस.ई.सी.एल के भटगांव क्षेत्र अंतर्गत प्रस्तावित महामाया ओपन कास्ट प्रोजेक्ट (ओसीपी) के लिए ग्राम कपसरा एवं बरौधी के प्रभावितों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना संबंधी जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य महामाया खुली खदान परियोजना के लिए ग्राम जरही, कपसरा, सेधोपारा, दुरती एवं बरौधी के प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करना है। इसके तहत प्रभावित व्यक्तियों को अधिग्रहित भूमि एवं मकानों का आंकलित समुचित मुआवजा, बसाहट हेतु प्रस्तावित स्थल पर भूखंड आबंटन अथवा भूखंड के स्थान पर एकमुश्त मुआवजा, नियमानुसार रोजगार उपलब्ध कराने पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने निर्देशित किया कि पुनर्वास प्रक्रिया पारदर्शी, संवेदनशील एवं नियमानुसार हो, ताकि परियोजना प्रभावित परिवारों को वर्तमान स्थिति के समकक्ष अथवा उससे बेहतर जीवनस्तर उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र शर्मा, एसईसीएल के अधिकारी, संबंधित ग्रामों के सरपंच, जनपद सदस्य एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मैनपाट महोत्सव में सन्नाटाः करोड़ों खर्च, फिर भी खाली रहीं कुर्सियां! उद्घाटन तक सीमित रही भीड़, मुख्यमंत्री के जाते ही खाली हुआ पंडाल

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन नक्शे पर खास पहचान रखने वाले मैनपाट में दो साल बाद आयोजित मैनपाट महोत्सव का आगाज उम्मीदों के विपरीत निराशाजनक रहा। करोड़ों रुपये की लागत, भारी-भरकम तैयारियां और बड़े कलाकारों की मौजूदगी के बावजूद पहले ही दिन कार्यक्रम स्थल पर सन्नाटा पसरा रहा। कुर्सियां गवाह बनीं उस हकीकत की, जिसे प्रशासन छिपाने की कोशिश करता दिखा।उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मंच पर मौजूद रहे। उनके संबोधन तक माहौल औपचारिक तालियों से गूंजता रहा, लेकिन जैसे ही वे मंच से उतरे, दर्शक दीर्घा तेजी से खाली होने लगी। सामने की कतारों तक में खाली कुर्सियां साफ दिखाई दीं। सवाल उठता है कि क्या जनता सिर्फ औपचारिकता निभाने आई थी?इस बार आयोजकों ने भीड़ जुटाने के लिए भोजपुरी स्टार मनोज तिवारी को बुलाया। उम्मीद थी कि उनके नाम पर जनसैलाब उमड़ेगा, लेकिन शाम होते-होते मंच के सामने का नजारा चौंकाने वाला था। सात बजे तक अधिकांश कुर्सियां खाली पड़ी रहीं। पुलिस जवान और विभागीय अधिकारी ही ज्यादा नजर आए, आम लोग नदारद रहे।जानकारी के अनुसार, भीड़ कम दिखने पर मेले में घूम रहे लोगों को कार्यक्रम स्थल की ओर बुलाकर कुर्सियों पर बैठाने की कवायद भी की गई। इसके बावजूद तस्वीर नहीं बदली। पिछले वर्षों में जहां अधिकारी-कर्मचारी अपने परिवार के साथ महोत्सव में शामिल होते थे, इस बार उनकी उपस्थिति भी बेहद कम रही।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह महोत्सव अब ÷जनता का उत्सव÷ नहीं, बल्कि ÷सरकारी सिस्टम का शो÷ बनकर रह गया है। करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी यदि आम जनता की भागीदारी न हो, तो यह आयोजन किसके लिए? राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज है कि आखिर मैनपाट महोत्सव की चमक फीकी क्यों पड़ गई। पहले दिन की तस्वीर ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं ,क्या आयोजन में जनसरोकारों की अनदेखी हुई? क्या प्रचार-प्रसार जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचा? या फिर जनता का भरोसा ही डगमगा गया है?अब नजरें अगले दिनों पर टिकी हैं। यदि हालात नहीं बदले, तो मैनपाट महोत्सव की यह फीकी शुरुआत प्रशासन के लिए बड़ी किरकिरी साबित हो सकती है।

सामूहिक विवाह में हुई शादी, सामने आई एक अनोखी घटना

सामूहिक विवाह में हुई शादी, सामने आई एक अनोखी घटना

समझाइश और प्रयास से बची नवविवाहित जोड़े की शादी

जांजगीर-चांपा। जिले में बीते दिन राज्य सरकार के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग जांजगीर-चांपा द्वारा लछनपुर स्थित रानी सती दादी मंदिर प्रांगण में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 141 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे और अपने नए वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। समारोह में मौजूद अधिकारियों ने नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं दीं। वहीं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वर्चुअल माध्यम से सभी नवविवाहित जोड़ों को बधाई संदेश प्रेषित किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, लेकिन इसके बाद एक घटनाक्रम चर्चा का विषय बन गया। जानकारी के अनुसार विवाह से पूर्व विभाग द्वारा सभी आवश्यक दस्तावेजों की विधिवत जांच कर उन्हें कार्यालय में जमा कराया गया था।समारोह समाप्त होने के बाद एक नवविवाहित दंपत्ति को लेकर अलग होने की चर्चा फैलने लगी। बताया गया कि शादी के तुरंत बाद युवती अपने परिजनों के साथ चली गई, जिससे युवक पक्ष के परिजनों में चिंता का माहौल बन गया। इसी बीच नवविवाहित युवक रोते-बिलखते मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के पास पहुंचा और पूरी जानकारी दी।मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर मौजूद पत्रकार–मनीष चंद्रा, विनय अग्रवाल और सूर्य नारायण मिरी–ने भी वस्तुस्थिति जानने का प्रयास किया। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग की महिला अधिकारी युवती के परिजनों से फोन पर संपर्क साधने में जुटी रहीं।सूचना मिलने पर जिले की परियोजना अधिकारी श्रीमती अणिमा मिश्रा मौके पर पहुंचीं। उन्होंने दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर शादी की सहमति, पूर्व में जमा दस्तावेज और पारिवारिक रजामंदी को लेकर विस्तृत चर्चा की। काफी देर तक चली समझाइश और बातचीत के बाद मामला सुलझा लिया गया।अंततः अधिकारियों और पत्रकारों के प्रयास से सामूहिक विवाह में संपन्न हुई शादी को टूटने से बचा लिया गया। दोनों पक्षों को समझाइश देकर आपसी मतभेद दूर कराए गए और नवदंपत्ति को नए जीवन की शुरुआत करने के लिए प्रेरित किया गया।इस संबंध में परियोजना अधिकारी अणिमा मिश्रा ने स्पष्ट किया कि किसी भी दंपत्ति की शादी नहीं टूटी है। उन्होंने बताया कि आपसी कम्युनिकेशन गैप के कारण भ्रम की स्थिति बनी थी।

ग्राम स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन से साकार होगा विकसित भारत का संकल्प- मंत्री श्री नेताम

विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

बलरामपुर। प्रदेश के आदिमजाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन एवं पशुधन विकास विभाग मंत्री श्री रामविचार नेताम के उपस्थिति में जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर में विकसित भारत के संकल्प को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (वीबी जी राम जी) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मंत्री श्री नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी साकार होगा जब ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन के साथ स्थानीय सहभागिता सुनिश्चित हो। उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने जल संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए प्रत्येक ग्राम पंचायत को अपनी कार्ययोजना में प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। कार्यशाला में मिशन अंतर्गत ग्राम स्तर पर ठोस एवं व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों द्वारा जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन, अधोसंरचना विकास, ग्रामीण आजीविका सृजन, आपदा निवारण एवं सामुदायिक संसाधनों के सुदृढ़ीकरण से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। साथ ही बताया गया कि (वीबी जी राम जी) के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने तथा युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में योजनाबद्ध प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री मुंद्रिका सिंह, उपाध्यक्ष श्री सुनील तिवारी, जनपद सदस्य, पूर्व जनपद सदस्य श्री भानुप्रकाश दीक्षित, गणमान्य नागरिक श्री सीताराम गुप्ता, श्री प्रमोद गुप्ता, श्री नारद गुप्ता एवं श्रीमती शर्मिला गुप्ता सहित ग्राम पंचायतों के सरपंच, पंच, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन ,अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रामानुजगंज श्री आनंद नेताम, जनपद सीईओ श्री रणवीर साय सहित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

मवेशी तस्करी प्रकरण में पिकअप वाहन स्वामी गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

बलरामपुर।जिले के बरियों पुलिस ने मवेशी तस्करी के मामले में फरार पिकअप वाहन स्वामी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। यह कार्रवाई अपराध क्रमांक 111/2025 के तहत छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 (1) (घ) के अंतर्गत की गई। जानकारी के अनुसार 20 मई 2025 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम आरा सरनापारा में कुछ लोग झारखंड के तस्करों के साथ मिलकर मवेशियों को बूचड़खाने भेजने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना पर चौकी प्रभारी ने टीम के साथ गागर नदी किनारे जंगल के पास दबिश दी, जहां सफेद रंग की पिकअप क्रमांक छ्ग-03-रू-4025 में चार मवेशियों को क्रूरतापूर्वक बांधकर लोड किया जा रहा था। पुलिस को देख आरोपी वाहन छोड़कर फरार हो गए। मवेशियों को मुक्त कर वाहन जब्त किया गया। विवेचना में वाहन स्वामी त्रिवेणी प्रजापति (29), निवासी मानपुर, थाना रंका, जिला गढ़वा (झारखंड) की संलिप्तता पाई गई। आरोपी को 13 फरवरी 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। कार्रवाई में उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप सिंह सहित पुलिस स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की विधि-विधान के साथ पूजा

महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव की आराधना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इस दिन व्रत, पूजा और रात्रि जागरण करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यदि पूरे दिन नियमों का पालन करते हुए विधि-विधान से पूजा की जाए, तो मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं इस दिन के लिए शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और आवश्यक नियम क्या होते हैं।

महाशिवरात्रि चार प्रहर पूजा शुभ मुहूर्त

रात्रि प्रथम प्रहर पूजा समय
शाम 06 बजकर 39 मिनट से 09 बजकर 45 मिनट तक

रात्रि द्वितीय प्रहर पूजा समय
शाम 09 बजकर 45 मिनट से 12 बजकर 52 मिनट तक

रात्रि तृतीय प्रहर पूजा समय
सुबह 12 बजकर 52 मिनट से 03 बजकर 59 मिनट तक

रात्रि चतुर्थ प्रहर पूजा समय
सुबह 03 बजकर 59 मिनट से 07 बजकर 06 मिनट तक

व्रत का पारण

अगले दिन सूर्योदय के बाद व्रत का पारण करें। इसके बाद ब्राह्मणों को भोजन कराकर दान-दक्षिणा दें। शिवरात्रि शिव-पार्वती के विवाह का प्रतीक माना जाता है। इस दिन व्रत करने से समस्त पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

महाशिवरात्रि की पूजा विधि

शिवलिंग का अभिषेक करने के लिए जल, दूध, दही, शहद, घी और गंगाजल अर्पित करें। बेलपत्र, धतूरा, चंदन, अक्षत, भस्म और सफेद फूल चढ़ाएं। साथ ही धूप-दीप जलाकर शिव की आरती करें और भजन गाएं। इस दौरान आप शिवपुराण और रुद्राष्टक का पाठ भी कर सकते हैं।

महाशिवरात्रि व्रत के नियम

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। स्नान के बाद भगवान शिव का ध्यान करें और व्रत का संकल्प लें। यदि निर्जला व्रत न कर रहे हों तो फलाहार करें। प्याज, लहसुन और तामसिक भोजन से परहेज करें। इस दिन नियमित शिव मंत्रों का जाप करें। "ॐ नमः शिवाय" और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से विशेष लाभ होता है। इस दिन सदाचार का पालन करना चाहिए। क्रोध, अहंकार, निंदा आदि से दूर रहें। संयमित व्यवहार रखें और मन को शांत रखें। इसके अलावा पूरी रात शिव भक्ति में लीन रहें और भजन-कीर्तन करें। चार प्रहर में शिवलिंग का पूजन करें।

शिवलिंग पर बिल्वपत्र चढ़ाने से पहले जानें नियम

शिव भक्त महाशिवरात्रि के पर्व का आने का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस दिन देवों के देव महादेव और मां पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना करने का विधान है। पंचांग के अनुसार, इस बार फाल्गुन माह में महाशिवरात्रि का त्योहार 26 फरवरी को मनाया जाएगा। इस दिन शिव मंदिरों में बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। साथ ही साधक इस दिन विशेष चीजों के द्वारा शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। इनमें बिल्वपत्र भी शामिल है। धार्मिक मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर बिल्वपत्र चढातें समय नियम का पालन करना अधिक आवश्यक होता है। ऐसा माना जाता है। इस दौरान कुछ गलतियों को करने से महादेव नाराज हो सकते हैं और पूजा का पूरा फल प्राप्त नहीं होगा। ऐसे में आइए जानते हैं शिवलिंग पर बिल्वपत्र चढ़ाने से जुड़े नियम के बारे में।

शिवलिंग पर चढ़ाएं इतने बिल्वपत्र

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि शिवलिंग पर 3 या फिर 5 पत्ते बिल्वपत्र के पत्ते चढ़ाना शुभ माना जाता है। इसके अलावा 11 भी पत्ते चढ़ाएं जा सकते हैं। बिल्व पत्र को लेते समय ध्यान रखें कि वह कही से कटी-फटा न हो और न ही उस पर कोई दाग-धब्बे हो। मान्यता है कि इस तरह के बिल्वपत्र को शिवलिंग पर चढ़ाने से पूजा का पूरा फल प्राप्त नहीं होता है।

शिवलिंग पर कैसे चढ़ाएं बिल्वपत्र?

शिवलिंग पर बिल्वपत्र चढ़ाने से पहले जल से सही से साफ कर लें। इसके बाद केसर या चंदन से 'ॐ' लिख दें। अब चिकनी वाली तरफ से शिवलिंग पर अर्पित करें। एक बात का ध्यान रखें कि बिल्वपत्र का उभरा हुआ भाग ऊपर की तरफ होना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाते समय इस मंत्र का करें जप:

त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुतम्।
त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम्।।

शिवलिंग पर बिल्वपत्र चढ़ाने से मिलते हैं ये आध्यात्मिक लाभ:

महाशिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर बिल्वपत्र चढ़ाने से महादेव प्रसन्न होते हैं और साधक की सभी मुरादें जल्द पूरी होती हैं। इसके अलावा आर्थिक तंगी की समस्या दूर होती है और घर में खुशियों का आगमन होता है। सभी पापों से छुटकारा मिलता है। संतान सुख की प्राप्ति होती है। मन आध्यात्मिक कामों की तरफ बढ़ता है। मन को शांति मिलती है और जीवन में सफलता के रास्ते खुलते हैं।

महाशिवरात्रि के व्रत में क्या खाएं और क्या नहीं?

जानें पूजा के सभी नियम

महाशिवरात्रि का दिन देवों को देव महादेव को समर्पित हैं। कहते हैं इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन व्रत और पूजन करने साथ व्रत का पालन करने से व्यक्ति भगवान शिव की कृपा प्राप्ति होती है। वहीं महाशिवरात्रि व्रत का पूरा फल पाने के लिए कुछ खास नियमों का पालन करना भी जरूरी होता है। महाशिवरात्रि का व्रत मुख्य रूप से दो प्रकार का होता है, निर्जला व्रत और फलाहार व्रत। निर्जला व्रत में पूरे दिन और रात बिना जल और अन्न ग्रहण किए उपवास रखा जाता है। ऐसे में कई लोगों के मन ये यह सवाल आता है कि इस दिन व्रत में क्या खाएं और क्या नहीं, तो आइए जानते हैं।

महाशिवरात्रि व्रत में क्या खाएं?

महाशिवरात्रि व्रत के दौरान अलग-अलग तरह के फल खा सकते हैं। साबूदाना की खिचड़ी या वड़ा, सिंघाड़े के आटे से बनी रोटी या पराठे, मखाने की खीर या भुने हुए मखाने, दूध, दही और पनीर, ड्राई फ्रूट्स खा सकते हैं।

महाशिवरात्रि व्रत में क्या नहीं खाएं?

महाशिवरात्रि व्रत के दौरान अनाज यानी गेहूं, चावल और अन्य अनाज का सेवन नहीं करना चाहिए। तामसिक भोजन जैसे प्याज और लहसुन जैसे तामसिक खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए। इसके अलावा मांस, मछली या शराब का सेवन बिलकुल भी नहीं करना चाहिए।

बालों को मजबूत बनाने के लिए सही खान-पान और हेयर केयर जरूरी

हर किसी की चाहत होती है कि उनके बाल लंबे, घने और मजबूत हों, लेकिन अनहेल्दी लाइफस्टाइल, न्यूट्रिशन की कमी, स्ट्रेस और प्रदूषण के कारण बालों की ग्रोथ प्रभावित होती है। ऐसे में यदि सही आदतों को अपनाया जाए, तो बालों का झड़ना रोका जा सकता है और उनकी ग्रोथ बेहतर हो सकती है। यहां कुछ ऐसी बेहतरीन आदतों के बारे में जानकारी दी गई है, जो बालों को जड़ों से मजबूत बनाकर उनकी नेचुरल ग्रोथ को बढ़ावा देती हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में।

बालों की देखभाल कैसे करें?

पोषण से भरपूर बैलेंस्ड डाइट लें
बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए प्रोटीन, बायोटिन, आयरन, ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन ए, सी, डी, ई बेहद जरूरी होते हैं। इसलिए अपने आहार में हरी सब्जियां, नट्स, बीज, फल, अंडे, दही, मछली और साबुत अनाज को शामिल करें।

नियमित रूप से तेल मालिश करें
स्कैल्प की अच्छी सेहत के लिए सप्ताह में 2-3 बार हल्के गर्म तेल से मालिश करें। नारियल, बादाम, आंवला, जैतून और अरंडी के तेल का इस्तेमाल करें, क्योंकि ये बालों की जड़ों को पोषण देकर उन्हें मजबूत बनाते हैं।

सही शैंपू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें
बालों के हेल्थ को बनाए रखने के लिए सही शैंपू और कंडीशनर का चुनाव बेहद जरूरी है। सल्फेट और पैराबेन-फ्री प्रॉडक्ट्स का ही इस्तेमाल करें, जिससे बालों को केमिकल डैमेज से बचाया जा सके। बालों को हफ्ते में 2-3 बार धोएं और कंडीशनर जरूर लगाएं।

हीट ट्रीटमेंट से बचें
हेयर ड्रायर, स्ट्रेटनर या कर्लर का ज्यादा इस्तेमाल बालों को नुकसान पहुंचाता है, क्योंकि ज्यादा हीट से बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। इसलिए बालों को वॉश के बाद नेचुरली सूखने दें और जब भी हीटिंग टूल्स का उपयोग करें, हीट प्रोटेक्टेंट स्प्रे लगाना न भूलें।

नियमित रूप से ट्रिमिंग करवाएं
हर 6-8 हफ्ते में बालों की ट्रिमिंग करवाने से दोमुंहे बाल खत्म होते हैं और बाल स्वस्थ व मजबूत रहते हैं।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं
बालों को हेल्दी और हाइड्रेटेड रखने के लिए दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं।

स्ट्रेस को कम करें
ज्यादा स्ट्रेस लेने से शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे बालों का झड़ना तेज हो जाता है। योग, मेडिटेशन और गहरी सांस लेने की तकनीकों को अपनाएं, जिससे मानसिक शांति बनी रहे और बालों की ग्रोथ प्रभावित न हो।

सही हेयर केयर रूटीन अपनाएं
गीले बालों को जोर से न बांधें और टाइट हेयर स्टाइल से बचें, क्योंकि इससे बाल कमजोर होकर टूट सकते हैं। सिल्क या साटन तकिए का इस्तेमाल करें। बालों को रोजाना हल्के हाथों से ब्रश करें और बहुत ज्यादा केमिकल ट्रीटमेंट से बचें।

खाने के बाद थोड़ी देर टहलना सेहत के लिए फायदेमंद

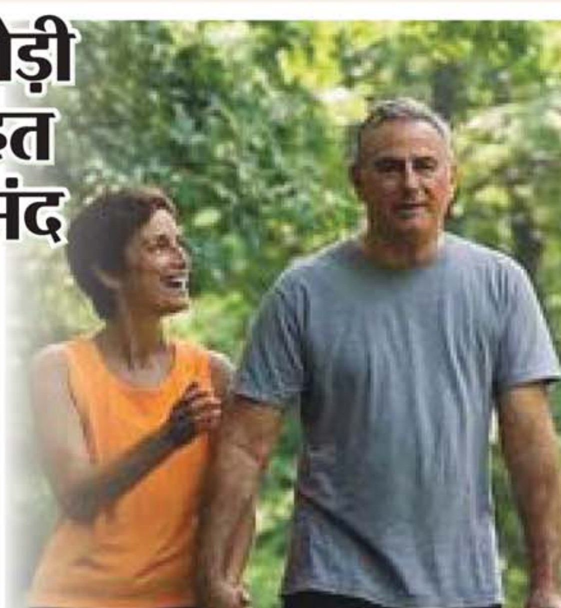

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। खाने के बाद थोड़ी देर टहलना या वॉक करना एक ऐसी आदत है, जो न केवल पाचन तंत्र को दुरुस्त रखती है, बल्कि शरीर को कई अन्य फायदे भी देती है। खासकर, खाने के बाद सिर्फ 5 मिनट की वॉक करने से भी कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाए :- खाने के बाद टहलने से पाचन तंत्र एक्टिव होता है। जब हम चलते हैं, तो शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, जिससे पाचन क्रिया तेज होती है। इससे खाना आसानी से पच जाता है और गैस, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। साथ ही, यह आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर होती है।

वजन घटाने में सहायक :- अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं, तो खाने के बाद टहलना आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है यह शरीर में कैलोरी बर्न करने में मदद करता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। नियमित रूप से खाने के बाद टहलने से शरीर का एक्स्ट्रा फैट कम होता है और वजन कंट्रोल रहता है।

एनर्जी का स्तर बढ़ाए :- खाने के बाद अक्सर आलस और सुस्ती महसूस होती है। ऐसे में 5 मिनट की वॉक करने से शरीर में एनर्जी का स्तर बढ़ता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं। यह शरीर को एक्टिव रखने में मदद करता है। अच्छी नींद लेने से शरीर स्वस्थ और तरोताजा रहता है।

बोर्ड एग्जाम के दौरान बच्चे रहेंगे स्ट्रेस फ्री

बस कर लें योगासन

बोर्ड एग्जाम बच्चों के लिए बेहद महत्वपूर्ण समय होता है। हर बच्चा बोर्ड एग्जाम में अच्छा स्कोर करना चाहता है। लेकिन इस दौरान बच्चों को काफी स्ट्रेस भी होता है। ऐसे में बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। एग्जाम के दौरान बच्चों को मानसिक और शारीरिक थकान से बचने के लिए योगासन करने चाहिए।योगासन उन्हें ताजगी और ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं, जिससे वे परीक्षा के दौरान मानसिक रूप से एक्टिव रह सकें। 10 से 15 मिनट तक कुछ खास आसनों का अभ्यास करने से न केवल शरीर को आराम मिलता है, बल्कि दिमाग भी ताजगी महसूस करता है- जिससे पढ़ाई और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है।

ताड़ासन

ताड़ासन एक सरल और प्रभावी आसन है। इससे शरीर को स्ट्रेच करने के साथ-साथ ऊर्जा मिलती है। इस आसन को खड़े होकर किया जाता है। बच्चों को ताड़ासन करने से न केवल शरीर में लचीलापन आता है, बल्कि यह मानसिक तनाव को भी कम करने में मदद करता है। दोनों पैरों को जोड़कर सीधे खड़े हो जाएं। दोनों हाथों को सिर के ऊपर एक साथ उठाएं और उंगलियों को जोड़ें। गहरी सांस लेते हुए पूरे शरीर को खींचें और खड़े रहें। 5 से 10 सेकंड तक इस स्थिति में रहें और फिर सामान्य स्थिति में आ जाएं।

वृक्षासन

वृक्षासन एक बेहतरीन आसन है जो संतुलन और मानसिक शांति को बढ़ावा देता है। परीक्षा के दौरान मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए यह आसन मददगार हो सकता है। सीधे खड़े हो जाएं और एक पैर को घुटने से मोड़कर दूसरे पैर के जांघ पर रखें। दोनों हाथों को जोड़ा हुआ सिर के ऊपर उठाएं। 5 से 10 मिनट तक इस स्थिति में बने रहें और गहरी सांस लें। फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौट आएं और दूसरे पैर से यही प्रक्रिया करें।

पश्चिमोत्तासन

यह आसन शरीर को आराम देने और तनाव को कम करने के लिए बहुत प्रभावी है। यह शरीर के पीछे वाले हिस्से को खींचता है। जमीन पर सीधे बैठ जाएं, दोनों पैरों को आगे की ओर फैला लें। गहरी सांस लें और कमर से झुकते हुए पैरों की अंगुलियों को पकड़ने की कोशिश करें इस स्थिति में 10-15 सेकंड तक रहें और फिर सामान्य स्थिति में लौट आएं।

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को क्या डाइट लेनी चाहिए

एक्सपर्ट से जानें

हाई ब्लड प्रेशर एक ऐसी बीमारी है जो शरीर की नसों को प्रभावित करती है। इसे हाइपरटेंशन भी कहा जाता है। हाई ब्लड प्रेशर के कारण हार्ट को ब्लड पंप करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इससे बाद में हार्ट डिजीज से लेकर स्ट्रोक तक का खतरा होता है। हाई बीपी (मिमी एचजी) में मापा जाता है। सामान्य तौर पर, अगर आपकी रीडिंग 130/80 मिलीमीटर पारा (मिमी एचजी) या इससे अधिक है तो ये हाई बीपी है।, लंबे समय तक हाई बीपी शरीर के कई अंगों को खराब कर देता है।

हाई बीपी के मरीजों को इस बीमारी को कंट्रोल करने के लिए दवाएं दी जाती है, लेकिन अगर आप खानपान का ध्यान रखते हैं तो इस बीमारी को काबू में किया जा सकता है। इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं। बीपी के मरीजों के लिए एक स्वस्थ और संतुलित डाइट प्लान जरूरी है। यह डाइट प्लान ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है। ऐसे में अगर उनके डाइट प्लान के बारे में बात की जाए तो, सुबह के नाश्ते में ओट्स या दलिया के साथ फल और नट्स खाएं, कम वसा वाले दूध या दही का भी सेवन करे।

हाई बीपी के मरीज दोपहर में क्या खाएं ?

हाई बीपी के मरीजों को दोपहर के भोजन में सब्जियों और फलों का सेवन करना चाहिए। साबुत अनाज की रोटी खाएं और कम फैट वाले प्रोटीन लें। हाई बीपी के मरीजों को मांस, डेयरी उत्पाद, प्रोसेस्ड फूड्स, फास्ट फूड और हाई शुगर वाले फूड्स से बचना चाहिए। इसके अलावा आप अपने डॉक्टर से परामर्श करें और उनसे भी अपने डाइट प्लान के बारे में डिसकस कर सकते हैं, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि डाइट प्लान को समय से फॉलो करें और इसमें कोई लापरवाही न करें।

एक्सरसाइज है जरूरी

हाई बीपी को कंट्रोल करने के लिए खानपान के साथ-साथ एक्सरसाइज करना भी जरूरी है। इसके लिए आप योग और मेडिटेशन भी कर सकते हैं। नियमित रूप से अपनी बीपी चेक करें और अगर इसकी दवा खा रहे हैं,तो डॉक्टर की सलाह के बिना इनको छोड़ना नहीं चाहिए।

नेशनल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर सरपंचों की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

दुर्ग। आगामी नेशनल लोक अदालत 14 मार्च 2026 के सफल एवं व्यापक आयोजन के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा विभिन्न ग्रामों के सरपंचों की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला एवं सत्र न्यायालय के नवीन सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एवं संचालन सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा किया गया। बैठक में यह विशेष रूप से रेखांकित किया गया कि ग्राम स्तर पर सरपंच प्रारंभिक एवं अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। ग्राम पंचायतें स्थानीय विवादों, राजस्व प्रकरणों, पारिवारिक मतभेदों, बैंक ऋण संबंधी मामलों, विद्युत एवं जलकर बकाया, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों तथा धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम से संबंधित प्रकरणों की प्रथम जानकारी का प्रमुख स्रोत होती हैं। ऐसे में सरपंचों की सक्रिय भागीदारी के बिना अधिकतम प्रकरणों की पहचान एवं सूचीकरण संभव नहीं है। सचिव ने कहा कि सरपंच न केवल स्थानीय स्तर पर पक्षकारों के मध्य संवाद स्थापित करने में सक्षम हैं, बल्कि वे आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण समाधान की दिशा में विश्वास निर्माण की भूमिका भी निभाते हैं। उन्होंने सरपंचों से अपेक्षा की कि वे अपने-अपने ग्रामों में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन योग्य प्रकरणों की प्रारंभिक छंटनी कर सूची तैयार करें तथा संबंधित पक्षकारों को लोक अदालत के लाभों से अवगत कराते हुए सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक में ग्राम स्तर पर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने, मुनादी/सूचना प्रसारण, ग्राम सभाओं में घोषणा तथा व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से अधिकाधिक प्रकरणों को लोक अदालत में प्रस्तुत करने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। सरपंचों ने आश्वासन दिया कि वे ग्राम पंचायत स्तर पर समन्वय स्थापित कर अधिकतम प्रकरणों के निराकरण के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

समाजसेवी इंदरजीत सिंह छोटू ने किया 'लोकतंत्र प्रहरी' एवं 'एसआर हॉस्पिटल' के कैलेंडर का विमोचन

भिलाई/विशेष संवाददाता। भिलाई के प्रमुख समाजसेवी एवं हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर इंदरजीत सिंह 'छोटू' ने शनिवार को कोहका स्थित अपने कार्यालय में 'लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप' और 'एसआर हॉस्पिटल एंड कॉलेज' के संयुक्त वार्षिक कैलेंडर-2026 का विमोचन किया। यह कैलेंडर शासकीय अवकाशों के साथ-साथ हिंदू नववर्ष, विभिन्न पर्व-त्योहारों और महत्वपूर्ण धार्मिक तिथियों की विस्तृत जानकारियों से सुसज्जित है।

जनहित के प्रयासों की सराहना : विमोचन के दौरान इंदरजीत सिंह छोटू ने लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि मीडिया और स्वास्थ्य सेवाओं का यह साझा प्रयास समाज के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने पूरी टीम को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उनके द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की और भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

कोहका कार्यालय में हुआ गरिमामयी आयोजन- लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप की ओर से सुरेंद्र ठाकुर और नाहीद शेख ने इंदरजीत सिंह छोटू के कोहका स्थित कार्यालय पहुंचकर उन्हें नववर्ष की बधाई दी और कैलेंडर की प्रथम प्रतियां भेंट कीं। इस दौरान कैलेंडर के प्रकाशन और इसके माध्यम से लोगों तक सही तिथियों की जानकारी पहुँचाने के उद्देश्य पर चर्चा की गई।

कैलेंडर की विशेषताएं- इस वार्षिक कैलेंडर में वर्षभर के प्रमुख त्यौहारों, जयंती, व्रत एवं सरकारी छुट्टियों को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है, जिससे यह आम नागरिकों के लिए काफी मददगार साबित होगा। इस अवसर पर लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप की टीम के अन्य सदस्य और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राजस्व मंत्री ने राजस्व शिविर का लिया जायजा

बलौदाबाजार । राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने शुक्रवार को जिला प्रवास के दौरान राजस्व पखवाड़ा अंतर्गत आयोजित राजस्व शिविर का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित प्रकरणों को समय -सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। राजस्व मंत्री वर्मा ने विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम पंचायत चांपा में पंचायत भवन में आयोजित राजस्व शिविर का जायजा लिया। उन्होंने निरीक्षण कर राजस्व अधिकारियों को नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, किसान किताब इत्यादि से संबंधित प्रकरणों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह शिविर लोगों के राजस्व के साथ ही अन्य समस्याओ के समाधान के लिये अत्यंत उपयोगी है। शिविर में कुल 20 आवेदन प्राप्त हुये जिसमें फौती के 5, बटवारा 2, अभिलेख त्रुटि सुधार के 1, किसान किताब 2, आय,जाति, निवास के 10 आवेदन शामिल है। मौके पर 2 किसान किताब, 10 आय,जाति एवं निवास प्रमाण पत्र 10 व स्वामित्व योजना अंतर्गत 64 अधिकार अभिलेख का वितरण किया गया। मंत्री वर्मा ने ग्राम चांपा के शासकीय उचित मूल्य राशन दुकान में राशन वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया।उन्होंने खाद्यान्न सामग्री की उपलब्धता एवं समय पर राशन वितरण की जानकारी ली।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के फरार आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के फरार आरोपियों को पुलिस को पुलिस ने गिरफ्तार किया है पुलिस ने बताया कि मामले में अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है । गिरफ्तार किये गये आरोपियों में कुछ आरोपियों ने न्यायालय में समर्पण किया है जानकारी के मुताबिक अप्रैल 2018 से अक्टूबर 2025 के मध्य, पीड़िता के नाबालिग होने की जानकारी होते हुए विभिन्न आरोपियों द्वारा उसके साथ दुष्कर्म एवं सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं कारित की गई। पुलिस ने मामले में धारा 65(1), 70(1), 70(2), 351(3), 61(2) भारतीय न्याय संहिता (ब्न्स), धारा 376(2)(ठ), 376(ड) भा.दं.सं., लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (क्ष्ह्स्ह्ष्ह) की धारा 6, 12 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(2)(1) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया पुलिस ने बतायाँ क विवेचना के दौरान पूर्व में 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस की सतत दबिश एवं दबाव के फलस्वरूप फरार आरोपी संजय पंडित एवं बी.एन. पांडेय द्वारा आज दिनाँक 13.02.26 को न्यायालय में समर्पण किया गया। न्यायालय से पुलिस रिमांड प्राप्त कर आरोपियों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। विवेचना में यह तथ्य भी प्रकाश में आया कि आरोपी अमित वर्मा द्वारा अपना पहचान दस्तावेज उपलब्ध कराकर अपने नाम से कक्ष बुक कराया गया, जिससे मुख्य आरोपी को अपराध कारित करने में सहयोग प्राप्त हुआ। उक्त आधार पर आरोपी अमित वर्मा को दिनांक 12.02.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। प्रकरण में अब तक 7 आरोपी गिरफ्तार किए जिसमें , विजय स्वाइन, उम्र 37 वर्ष, निवासी दुर्गा नगर पश्चिम, भिलाई (गिरफ्तार), अनिल चौधरी, उम्र 60 वर्ष, निवासी ज़ोन-01, खुर्शीपार (गिरफ्तार), गोविंद सिंह नागवंशी, उम्र 62 वर्ष, निवासी चौकड़िया पारा, जिला राजनांदगांव (गिरफ्तार),कृपा शंकर उर्फ राजू कश्यप, उम्र 58 वर्ष (गिरफ्तार), अमित वर्मा, उम्र 47 वर्ष, निवासी सेक्टर-10, भिलाई, जिला दुर्ग (गिरफ्तार),संजय पंडित, उम्र 42 वर्ष, निवासी शांति नगर, थाना वैशाली नगर, जिला दुर्ग (न्यायालय में समर्पण उपरांत गिरफ्तार), बी.एन. पांडेय, उम्र 65 वर्ष, निवासी गणपति विहार कॉलोनी, थाना पदमनाभपुर, जिला दुर्ग।

आगामी खरीफ सीजन हेतु सहकारी समितियों में उर्वरक का पर्याप्त भण्डारण

बलौदाबाजार । जिले में किसानों को आगामी खरीफ वर्ष 2026 हेतु समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा इस वर्ष भी अग्रिम उर्वरक उठाव की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। अग्रिम उठाव 01 फरवरी 2026 से 31 मई 2026 तक जारी रहेगा, इस हेतु जिले में संचालित समस्त समितियों में पर्याप्त उर्वरकों का भण्डारण कराया जा रहा है। जिले को इस वर्ष अग्रिम उठाव के लिए कुल 25300 मैट्रिक टन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। वर्तमान में सहकारी समितियों एवं डबल लॉक गोदामों में यूरिया 4982 मैट्रिक टन, डीएपी 2674 मैट्रिक टन, एमओपी 1545 मैट्रिक टन, एसएसपी 1327 मैट्रिक टन एवं एनपीके 1245 मेट्रिक टन कुल 11773 मैट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण किया जा चुका है। भण्डारण के साथ साथ ही, 1 फरवरी 2026 से किसानों द्वारा समितियों से उर्वरकों का अग्रिम उठाव भी प्रारंभ हो चुका है। उप संचालक कृषि दीपक कुमार नायक ने बताया कि खरीफसीजन में जब कृषि कार्य में तेजी रहती है तथा उर्वरकों का मांग अधिक रहता है उस समय उर्वरक की कमी की शिकायतें प्राप्त होती रहती हैं।

इस समस्या के समाधान हेतु जिले के सभी कृषक अपने नजदीकी सहकारी समिति से आवश्यक्तानुसार उर्वरकों का अग्रिम उठाव कर भविष्य में खाद की समस्या से निजात पा सकते है।अग्रिम उठाव से भंडारण कन्द्रों में भी पर्याप्त उर्वरकों के भंडारण हेतु क्षमता में भी वृद्धि होती है तथा मांग अनुसार उपलब्धता निरंतर बनी रहती है। अग्रिम उठाव से न केवल संभावित खाद संकट से बचा सकता है, बल्कि वितरण में अनावश्यक भीड़ एवं अव्यवस्था भी को भी रोका जा सकता है। कृषि विभाग द्वारा ग्राम पंचायतो में मुनादी भी कराई जा रही है।

निगम आयुक्त ने राजस्व वसूली में तेजी लाने और विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के दिए कड़े निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार कक्ष में गुरुवार को निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में निगम की आय में वृद्धि के उपायों और शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। राजस्व वसूली पर विशेष जोर देते हुए आयुक्त ने निकाय की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु संपत्तिकर, समेकित कर, जलकर, निर्यात कर और दुकानों के किराए की वसूली को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही विज्ञापन होर्डिंग्स, पार्किंग, यूजर चार्ज और भवन भूखंडों से प्राप्त होने वाली आय की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को फील्ड स्तर पर सक्रिय होकर कार्य करने को कहा। अधिकारी एवं कर्मचारी केवल कार्यालय तक सीमित न रहें, बल्कि फील्ड में उतरकर कार्यों की निगरानी और वसूली सुनिश्चित करें। कर्मचारियों के वेतन भुगतान और विद्युत देयकों के समय पर निपटान के संबंध में आवश्यक चर्चा की गई। योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया गया है। 15वें वित्त आयोग, अधोसंरचना मद, नालंदा परिसर और नगरोत्थान जैसी शासन की योजनाओं के तहत स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।नागरिकों के लिए निर्बाध पेयजल आपूर्ति और मंत्री की घोषणाओं से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से उपायुक्त डी. के. कोसरिया, अधीक्षण अभियंता अजीत तिग्गा, जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत एवं कुलदीप गुप्ता, लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, राजस्व अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी, अभियंतागण सहित निगम के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासकीय नर्सिंग कॉलेज, दुर्ग की ओर से एक दिवसीय अंतरराष्ट्री कॉन्फ्रेंस आज

भिलाई। शासकीय नर्सिंग कॉलेज, दुर्ग (स्व. चंदूलाल चंद्राकर शासकीय मेडिकल कॉलेज बिल्डिंग) की ओर से एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस (हाइब्रिड मोड) का आयोजन आज सुबह 11 बजे से कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में किया गया है। आयोजन की चेयरपर्सन और नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रीमा राजेश ने बताया कि दिन भर चलने वाली इस कॉन्फ्रेंस में विभिन्न विषयों पर चर्चा और प्रस्तुतिकरण के सत्र होंगे।

इंद्रजीत सिंह की पहल से डायलिसिस मरीजों को मिल रही राहत

भिलाई । सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं बीरा सिंह मल्टी स्पेशालिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह की पहल से जरूरतमंद डायलिसिस मरीजो को बड़ी राहत मिल रही है।बीरा सिंह मल्टी स्पेशालिटी हॉस्पिटल, फल मंडी भिलाई में लगातार 4 वर्षो से निशुल्क डायलिसिस सेवा संचालित की जा रही है। इस सेवा के अंतर्गत अब तक 496 मरीजों का निःशुल्क डायलिसिस किया जा चुका है। हॉस्पिटल द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को डायलिसिस के दौरान लाइन लगने तक आने वाले खर्चो का भार भी स्वयं वहन किया गया है। साथ ही जरूरतमंद मरीजों को समय-समय पर आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे उन्हें इलाज में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

रंगों की महक से महका राजेन्द्र पार्क : निगम का आठवां फ्लावर शो धूमधाम से शुरु

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा आयोजित आठवां फ्लावर शो शनिवार को बड़ी धूमधाम से आरंभ हुआ। सुबह 11 बजे जैसे ही कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, पूरा राजेन्द्र पार्क रंग-बिरंगे फूलों की खूबसूरती से खिल उठा। सुबह से लेकर देर रात तक लोगों की भारी भीड़ उमड़ती रही। परिवार, बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इस अनोखी पुष्प प्रदर्शनी का आनंद लेने पहुंचे।

ऑपरेशन सिंदूर रंगोली बना शो का मुख्य आकर्षण- फ्लावर शो में ऑपरेशन सिंदूर रंगोली ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। फूलों और प्राकृतिक रंगों से बनी यह विशाल रंगोली हर किसी की सेल्फी का बैकग्राउंड बन गई। रंगोली के सामने फोटो खिंचवाने और वीडियो बनाने की लोगों में होड़ लगी रही।

फूलों का मनमोहक संसार : प्रदर्शनी में दिखीं अनोखी आकृतियाँ- कार्यक्रम में सैकड़ों प्रजातियों के रंग-बिरंगे फूलों की प्रदर्शनी लगाई गई। विभिन्न कलात्मक आकृतियों फूलों से बना बादक, प्राकृतिक आकृतियाँ, फूलों के आकर्षक ढांचे ने आगंतुकों को खूब लुभाया। प्यारी खुशबू के साथ इन फूलों की सजावट ने पूरे पार्क को एक उत्सव स्थल का रूप दे दिया।

बच्चों की कला और उत्साह ने बढ़ाई शो की चमक- बच्चों के लिए आयोजित ड्राइंग में पर्यावरण पर आधारित रंगीन कलाकृतियाँ देखने मिलीं। वहीं चाक से दीए बनाने के स्टॉल ने बच्चों को खूब आकर्षित किया। बच्चों की लंबी कतारें और उनके उत्साह को देखकर कार्यक्रम स्थल पूरी तरह जीवंत लगा।

गीत-संगीत और लोक संस्कृति का मनभावन संगम- फ्लावर शो में मनोरंजन के लिए गीत-संगीत का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूली बच्चों और कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति पर आधारित शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। पारंपरिक वेशभूषा और लोक धुनों ने माहौल को और भी रंगीन बनाया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही साथ ही कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे जिनमें स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव,सांसद विजय बघेल,महापौर अल्का बाघमार,आयुक्त सुमित अग्रवाल,सभापति श्याम शर्मा,पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे के अलावा एमआईसी सदस्य, पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी तथा भारी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

इन सभी ने फूलों की प्रदर्शनी, शासन योजनाओं से जुड़े मॉडलों और अन्य स्टॉलों का अवलोकन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

पर्यावरण संदेश से जुड़ी प्रदर्शनी बनी आकर्षण फ्लावर शो में पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता से संबंधित कई प्रदर्शनी लगाई गई। स्वच्छता पर आधारित स्लोगन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जुड़े और पारंपरिक कला पर आधारित स्टॉलों ने आगंतुकों को खूब आकर्षित किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com